www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, रविवार
23 अगस्त 2026
वर्ष: 49
अंक: 111 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

सर्दी-जुकाम की दो दवाइयों का कॉम्बीनेशन बच्चों के लिए बैन

4 साल से छोटे बच्चों को खतरा, पैकेट पर वार्निंग लिखना जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने चार साल से छोटे बच्चों के लिए सर्दी-जुकाम की दवा को लेकर शनिवार को आदेश जारी किया है। सरकार के मुताबिक, क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलेफ्राइन हाइड्रोक्लोराइड के कॉम्बिनेशन से बनने वाली सभी दवाएं चार साल से छोटे बच्चों को न दी जाएं। सरकार ने दवा कंपनियों को इन दवाओं के पैकेट, अंदर की जानकारी और प्रचार सामग्री पर साफ चेतावनी लिखने का आदेश दिया है, ताकि छोटे बच्चों को इनके इस्तेमाल से होने वाले संभावित खतरे से बचाया जा सके।

15 अप्रैल को कुछ दवाओं पर चेतावनी लगाई गई थी

15 अप्रैल 2025 की अधिसूचना में कुछ फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन दवाओं पर यह चेतावनी लगाई गई थी। अब इसका दायरा बढ़ा दिया गया है। इन दोनों दवाओं को मिलाकर बनी सभी दवाएं 4 साल से कम उम्र के बच्चों को नहीं दी जा सकेंगी। सरकार ने यह आदेश ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 26 के तहत जारी किया है। यह ऐसी दवा होती है, जिसमें दो या उससे ज्यादा सक्रिय दवा घटक एक ही दवा में निश्चित मात्रा में मिलाए जाते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने दो साल से छोटे बच्चों को कफ सिरप (खांसी और सर्दी की दवाएं) देने पर रोक लगाई थी।

झारखंड की सीमेंट फैक्ट्री में ब्लास्ट, 3 इंजीनियरों की मौत

● यूनिट इन्चार्ज का आरोप-ओवरहीटिंग के चलते हादसा हुआ

रामगढ़ (एजेंसी)। झारखंड के रामगढ़ के बरकाकाना में मां छिन्नमस्तिका सीमेंट एंड इस्पात फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। फैक्ट्री में काम के दौरान अचानक टरबाइन ब्लास्ट हो गया। धमाका इतना जोरदार था कि प्लांट में भीषण आग लग गई। हादसे में 3 इंजीनियर्स की झुलसने से मौत हो गई। एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। यूनिट इन्चार्ज का कहना है कि ओवरहीटिंग के चलते हादसा हुआ। प्रबंधन से कई बार एसी लगाने का कहा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मृतकों की पहचान रांची के संजीव कुमार केसरी (50), बोकारो के जगेश्वर बिहार के विनीत महतो (25) और गढ़वा निवासी अभिषेक पांडेय (24) के रूप में हुई है। घायल मजदूर तरुण रजवार को हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है।

विनीत महतो, मृतक

संजीव केसरी, मृतक

ग्रामीणों की मांग-मृतकों के आश्रितों को मुआवजा, नौकरी दें

ब्लास्ट और आग लगने की सूचना मिलते ही फैक्ट्री प्रबंधन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस को भी घटना की जानकारी दी गई। इसके बाद रामगढ़ से चार-पांच फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाई गईं। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद फैक्ट्री के पावर प्लांट में लगी आग पर काबू पाया। हादसे के बाद फैक्ट्री परिसर में देर रात तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। घटना की जानकारी मिलने के बाद शनिवार सुबह स्थानीय ग्रामीण भी बड़ी संख्या में फैक्ट्री के सामने इकट्ठा हुए। ग्रामीणों ने हादसे में मारे गए कर्मचारियों के आश्रितों को उचित मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की है। ग्रामीण फैक्ट्री गेट जाम करने की तैयारी में हैं। तीनों के शव वापस फैक्ट्री के पास लाया जा रहा है।

यूनिट इन्चार्ज बोले-ओवरहीटिंग के चलते हादसा हुआ

फैक्ट्री के पावर प्लांट यूनिट के इन्चार्ज अनुराग त्रिपाठी ने हादसे के लिए प्रबंधन की लापरवाही को जिम्मेदार बताया है। अनुराग ने आरोप लगाया कि प्लांट में तापमान बढ़ने और ओवरहीटिंग के कारण यह हादसा हुआ। टेम्परेचर कंट्रोल करने के लिए मैनेजमेंट से एसी लगाने का अनुरोध किया था, लेकिन इस दिशा में पर्याप्त कदम नहीं उठाए गए। अगर समय रहते तापमान नियंत्रण की व्यवस्था की जाती तो हादसे को टाला जा सकता था। फैक्ट्री में काम करने वाले अशोक गोराई ने बताया, 'टरबाइन की मदद से बिजली पैदा की जाती है। यहीं से पावर सप्लाई होती है। इस वजह से यहां टेंपरेचर ज्यादा रहता है। जिसे ठंडा रखा जाता है। इसी को देखभाल करने के लिए इंजीनियर होते हैं। लेकिन यहां एसी नहीं था। यह प्रबंधन की लापरवाही है।'

संक्षिप्त समाचार

7,000 करोड़ के एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क को मंजूरी

● बड़ा प्रोजेक्ट, यूपी-उत्तराखंड समेत 6 राज्यों को होगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑयल सेक्टर के रेगुलेटर ने 7,000 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से लगभग 1,800 किलोमीटर लंबी नई एलपीजी पाइपलाइनों के विकास को मंजूरी दे दी है। इससे देश के कॉमन-कैरियर एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क में लगभग एक-चौथाई का विस्तार होगा। इस पहल का मकसद ईंधन

आपूर्ति को अधिक लचीला बनाना और सड़क परिवहन पर निर्भरता कम करना है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड ने एक बयान में कहा कि उसने तेलंगाना, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक और गोवा में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण तीन एलपीजी पाइपलाइन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। सरकारी कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा विकसित की जाने वाली इन परियोजनाओं से पीएनजीआरबी द्वारा अधिकृत कॉमन-कैरियर एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क लगभग 7,700 किलोमीटर से बढ़कर लगभग 9,500 किलोमीटर हो जाएगा। यानी इसमें करीब 23.5 प्रतिशत की वृद्धि होगी। चेर्लापल्ली (तेलंगाना) से नागपुर (महाराष्ट्र) तक 556 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन, झांसी (उत्तर प्रदेश) से सितारगंज (उत्तराखंड) तक 611 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन और शिकारपुर (महाराष्ट्र) से गोवा और हुबली (कर्नाटक) तक 633 किलोमीटर लंबी लाइन को मंजूरी दी गई है।

तमिलनाडु में डीएमके विधायकों का सरकारी कार लेने से इनकार

● उदयनिधि बोले-सरकार कर्ज में, सिर्फ जरूरतमंद एमएलए को दी जाए

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में विधायकों को सरकारी कार देने की योजना को लेकर विधानसभा में शुक्रवार को बहस हुई। विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने ऐलान किया कि डीएमके के सभी 59 विधायक सरकार की ओर से दी जाने वाली नई कार नहीं लेंगे। उदयनिधि ने कहा कि जब मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय खुद राज्य की वित्तीय स्थिति और कर्ज की बात कर चुके हैं, तो ऐसे में विधायकों को सरकारी वाहन देने पर अतिरिक्त खर्च नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि विधायकों के चुनावी हलफनामो में दर्ज आर्थिक स्थिति की जांच के बाद जरूरतमंद विधायकों को ही वाहन की सुविधा दी जाए।

सिख परिवारों का राहुल के घर के बाहर प्रदर्शन

● पुतला जलाया, सिख दंगों के दोषी सज्जन को हीरो कहने पर नाराजगी, 2 दिन पहले निधन हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिख नेताओं और 1984 के सिख विरोधी दंगों से प्रभावित परिवारों के सदस्यों ने शनिवार को राहुल गांधी के घर के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए पुतला भी फूंका। उन्होंने कुछ कांग्रेस नेताओं की ओर से पूर्व पार्टी नेता सज्जन कुमार को हीरो और आदर्श बताने वाले बयान पर माफी की मांग की। प्रदर्शनकारी 5, सुनहरी बाग रोड स्थित राहुल गांधी के घर के बाहर जुटे थे। वहां पुलिस ने भारी बैरिकेडिंग कर रखी थी। सज्जन कुमार 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में दोषी ठहराए गए थे। दिल्ली की तिहाड़ जेल में गुरुवार को 80 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था।

सिखों की कांग्रेस से सफाई और माफी की मांग

प्रदर्शन का नेतृत्व दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कलका और महासचिव जगदीप सिंह कहलोन ने किया। डीएसजीएमसी के नेता ने कांग्रेस से साफ करने को कहा कि क्या दंगों से जुड़े मामलों में दोषी ठहराए गए सज्जन कुमार को हीरो माना जा रहा है।

असम में दुनिया की पहली आईवीएफ बछिया का जन्म

● हिमंता बिस्वा सरमा बोले-जय जय गौ माता, दर्ज हुई उपलब्धि

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक बड़ी गुड न्यूज साझा की है। सीएम सरमा ने लिखा है कि असम की मूल नस्ल लखीमी की दुनिया की पहली आईवीएफ मादा बछिया का जन्म असम वेटरनरी एंड फिशरी यूनिवर्सिटी में हुआ है। यह बड़ी उपलब्धि हमारे पशुपालन और डेयरी सेक्टर के लिए नए रास्ते खोलती है - इसमें देसी नस्लों को बचाना, बीमारियों पर बेहतर नियंत्रण, दूध उत्पादन बढ़ाना और अंततः किसानों की आय में वृद्धि करना शामिल है। सरमा ने इस उपलब्धि को गर्मजोशी से साझा किया है। उन्होंने लिखा है कि आज असम ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह सभ्यता, संस्कृति और सृजन का एक सुंदर संगम है। असम के मुख्यमंत्री ने लिखा है कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि के पीछे काम करने वाले सभी पशु-चिकित्सा वैज्ञानिकों और पेशेवरों को मेरी हार्दिक बधाई। उनके काम में असम के डेयरी सेक्टर के लिए एक नए युग की शुरुआत करने की क्षमता है।

एमपी में ई-अटेंडेंस एप पर हाजिरी लगाना बना चुनौती

नेटवर्क के चक्कर में पेड़ों और छतों पर चढ़ रहे टीचर

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के दूर-दराज और ग्रामीण इलाकों के सरकारी स्कूलों में 'ई-अटेंडेंस' एप पर उपस्थिति दर्ज कराना शिक्षकों के लिए मुश्किल भरा काम हो गया है। मोबाइल में नेटवर्क न होने के कारण शिक्षकों को अपनी हाजिरी लगाने के लिए कभी स्कूल की छतों पर तो कभी पेड़ों की डालियों पर चढ़कर सिग्नल तलाशने पड़ रहे हैं। दरअसल, मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूल के टीचरों के लिए ई-अटेंडेंस जरूरी कर दिया गया है। यह एप अटेंडेंस लगाने के साथ-साथ सरकारी स्कूलों में ट्रांसपेरेंसी और अकाउंटेबिलिटी भी निर्धारित करते हैं। लेकिन दूर-दराज के इलाकों में मोबाइल नेटवर्क की स्थिति बहुत खराब है। जिसके चलते शिक्षकों को हाजिरी लगाने स्कूल की छत पर जाना पड़ता है या पेड़ की डालियों पर चढ़ना पड़ता है।

सोशल मीडिया पर लोग दे रहे प्रतिक्रिया

इंटरनेट पर शिक्षकों के इन संघर्षों के वीडियो वायरल होने के बाद जहां एक तरफ लोग इसे हंसमुख चुटकुलों के रूप में देख रहे हैं, वहीं शिक्षक संघों ने डिजिटल बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने और ऑनलाइन उपस्थिति के व्यावहारिक विकल्प देने की मांग की है। आगर मालवा जिले के बरोद के एक सरकारी स्कूल का ऐसा ही एक वीडियो विलप सामने आया है, जिसमें एक गणित शिक्षक हवा में ही हाजिरी लगाते नजर रख रहे हैं।

70 तक पहुंची शक्कर, विपक्ष-सरकार में टक्कर

● खड़गे हमलावर, बोले-ये कैसा आत्मनिर्भर भारत ● सरकार का बयान-एथेनॉल बनाने से नहीं बढ़े दाम ● तीन महीने में 40 फीसदी ज्यादा महंगी हुई मिठास

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को चीनी की बढ़ती कीमतों और स्टॉक पर सरकार से 3 सवाल किए। उन्होंने पूछा कि ये कैसा आत्मनिर्भर भारत है, जहां विदेश से चीनी आयात की जा रही है और दूसरी तरफ गन्ने को पेट्रोल में मिलाने के लिए एथेनॉल में झोंका जा रहा है। हालांकि, केंद्र सरकार ने शुक्रवार को चीनी की बढ़ती कीमतों के लिए एथेनॉल उत्पादन को जिम्मेदार मानने से इनकार किया था। देश के कई शहरों में चीनी की कीमत 70 रुपए किलो तक पहुंच गई है। पिछले 3 महीने में इसके दाम करीब 40 फीसदी यानी 19 प्रति किलो तक बढ़े हैं। कीमत कम करने के लिए केंद्र ने 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन रॉ शुगर बिना ड्यूटी के आयात करने की मंजूरी दी है।

एथेनॉल के लिए कम चीनी इस्तेमाल हो रही

खाद्य सचिव के मुताबिक, अब देश में बनने वाले एथेनॉल का करीब एक-चौथाई हिस्सा ही शुगर से आता है, जबकि बाकी मुख्य रूप से मक्का जैसे अनाज से बनता है। एथेनॉल के लिए डायवर्ट की जाने वाली शुगर की हिस्सेदारी 2022-23 में 12 फीसदी थी, जो 2025-26 में घटकर करीब 9 रह गई है। मौजूदा सीजन में एथेनॉल के लिए 28 लाख टन शुगर डायवर्ट की गई है। हालांकि, ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, पिछले साल 720 करोड़ लीटर एथेनॉल बना।

तीन महीने में गुड़ के दाम भी 24 फीसदी तक बढ़े

चीनी के अलावा तीन महीने में गुड़ 24, चावल 16 और मक्के का आटा 11 फीसदी तक महंगा हुआ है। चीनी के दाम बढ़ने की एक वजह मिलों के पास बचे स्टॉक में कमी भी बताई जा रही है। मिलों के पास शुरुआती स्टॉक भी पिछले साल के मुकाबले कम हुआ है। पिछले सीजन में पेराई शुरू होने से पहले मिलों के पास 47 लाख टन चीनी थी, जो इस बार घटकर 32 लाख टन रह गई है।

युवाओं को साधने के लिए बीजेपी ने बनाई स्पेशल टीम

मिशन जेन जी में नितिन नवीन, स्मृति ईरानी और तावड़े शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की युवा पीढ़ी और जनरेशन जेड के नए वोटरों से सीधा जुड़ाव स्थापित करने के लिए राजनीतिक दलों के बीच खींचतान तेज़ हो गई है। इसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए बीजेपी ने अपने विशेष जेन जी आउटरीच प्रोग्राम की रणनीति बनाई है। इस अभियान को जमीन पर उतारने के लिए वरिष्ठ और युवा नेताओं की एक उच्चस्तरीय टीम का गठन किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के मार्गदर्शन में बनी इस टीम में राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी और विनोद तावड़े, गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी और छत्तीसगढ़ के मंत्री ओपी चौधरी

समेत कई प्रमुख नेताओं को शामिल किया गया है। यह टीम युवाओं की आकांक्षाओं, रोजगार की चिंताओं और उम्मीदों को समझने के लिए सीधे संवाद के कार्यक्रम आयोजित करेगी।

कांग्रेस भी युवाओं को साधने में जुटी

दूसरी तरफ, विपक्ष भी युवाओं को आकर्षित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी छात्रों की गूंज कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए देश के अलग-अलग शहरों में जाकर युवाओं से संवाद कर रहे हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने नई राष्ट्रीय टीम की पहली औपचारिक बैठक की अध्यक्षता की, जिसकी शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के सभी छह पदों के गायन से हुई।

अब रूस से पांचवीं पीढ़ी के सुखोई-57 ले सकता है भारत

100+सुखोई-30 एमकेआई भी अपग्रेड होंगे, पुतिन के दौरे में डिफेंस डील संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 12-13 सितंबर को दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने भारत आएंगे। इस दौरान भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग से जुड़े दो बड़े प्रस्तावों पर चर्चा हो सकती है। पहला प्रस्ताव 100 से ज्यादा सुखोई-30 एमकेआई फाइटर जेट को रूसी तकनीकी मदद से अपग्रेड करने का है। इसमें इंजन, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और हथियारों की क्षमता बढ़ाई जा सकती है, जिससे विमानों की ताकत और मारक क्षमता बढ़ेगी। फिलहाल भारत 63 हजार करोड़ रुपए में 84 सुखोई-30 एमकेआई को 'सुपर सुखोई' बना रहा है।

रूसी एक्सपर्ट्स की टीम एचएएल का दौरा किया

रक्षा सूत्रों के मुताबिक, ऑपरेशन सिंदूर में अहम भूमिका निभाने वाले सुखोई-30 एमकेआई के अपग्रेड को लेकर रूसी एक्सपर्ट्स की टीम एचएएल की नासिक यूनिट का दौरा कर चुकी है। इस अपग्रेड के लिए भारत और रूस के बीच अलग समझौता होना है। भारत-रूस पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान पर पहले भी साथ काम कर चुके हैं। दोनों देशों ने 2007 में संयुक्त रूप से ऐसा फाइटर विकसित करने की परियोजना शुरू की थी, लेकिन भारत 2018 में।

भारत का अपना 5वीं पीढ़ी का फाइटर 2032 तक

भारत अपना पांचवीं पीढ़ी का फाइटर खुद बना रहा है, पर 2032 तक यह विकसित हो सकता है। इसी अंतराल ने सुखोई-57 जैसे विकल्प को जरूरी बनाया है। दूसरी ओर चीन स्टेल्थ फाइटर विकसित कर चुका है और पाकिस्तान को भी ऐसा विमान दे रहा है। इसलिए भी पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट हमारे लिए जरूरी हो गया है।

यमुनोत्री धाम की यात्रा में बना नया रिकॉर्ड, पहली बार 6.68 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : उत्तराखण्ड में मानसून की कठिन चुनौतियों के बावजूद चारधाम यात्रा निर्बाध जारी है। इस यात्राकाल के 125 दिनों में ही दर्शनार्थियों की संख्या 48 लाख के पार पहुंच चुकी है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 05 लाख 22 हजार अधिक है। यमुनोत्री धाम की यात्रा ने नया रिकॉर्ड बनाया है। यहां पहली बार श्रद्धालुओं की संख्या 06 लाख 68 हजार से अधिक पहुंच गई है। इससे पूर्व वर्ष 2025 में 06 लाख 44 हजार 637 श्रद्धालु मां यमुना के दर्शन को पहुंचे थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल यात्रा प्रबंधन के चलते चारधाम यात्रा हर वर्ष नए रिकॉर्ड कायम कर रही है। मानसून सीजन को देखते हुए यात्रा को बेहद सतर्कता और निगरानी के साथ संचालित किया जा रहा है। यात्रा से जुड़े रुद्रप्रयाग, चमोली, और उत्तरकाशी जनपद में आपदा प्रबंधन विभाग को चौबीसों घंटे अलर्ट मोड में रखा गया है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। मौसम के मिजाज को देखते हुए प्रशासन ने तीर्थयात्रियों के लिए विशेष एडवाइजरी भी जारी की है, लेकिन आस्था मौसम पर भी भारी पड़ रही है। इस वर्ष 19 अप्रैल को गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम के कपाटोद्घाटन के साथ चारधाम यात्रा का आगाज हुआ था। शुक्रवार 21 अगस्त तक इस यात्राकाल के 125

दिनों में कुल 48 लाख 04 हजार 897 श्रद्धालु चारधाम दर्शन कर चुके हैं, जबकि बीते वर्ष 2025 में इसी अवधि में 42 लाख 82 हजार 263 यात्री चारधाम दर्शन को पहुंचे थे। इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में 05 लाख 22 हजार 634 यात्री अधिक पहुंचे हैं। चारों धामों में अब तक की कुल संख्या पर नजर दौड़ाएं तो बद्रीनाथ में 16 लाख 54 हजार 263, केदारनाथ में 14 लाख 65 हजार 370, गंगोत्री में 07 लाख 47 हजार 671 और यमुनोत्री धाम में 06 लाख 68 हजार 163 यात्री दर्शन कर चुके हैं। जबकि हेमकुंट साहिब में 02 लाख 69 हजार 430 श्रद्धालु शीश नवा चुके हैं। भगवान बद्रीविशाल के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। बद्रीनाथ में पिछले वर्ष के मुकाबले 03 लाख 62 हजार 304 यात्री अधिक पहुंचे हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चारधाम यात्रियों की सुरक्षा प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए चारों धामों और यात्रा पड़ावों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं। यात्रा बिना किसी बाधा के संचालित हो रही है, लेकिन मौसम खराब होने पर यात्रा को नियंत्रित भी किया जा रहा है। यात्रा से जुड़े सभी जनपदों के डीएम भी व्यवस्थाओं पर पूरी नजर बनाए हुए हैं।

यमुनोत्री धाम में प्रतिवर्ष श्रद्धालुओं की संख्या

2025	6,44,637
2024	5,15,067
2023	5,60,918
2022	6,21,538
2021	33,311
2020	7728
2019	4,65,534
2018	3,94,445
2017	3,92,208
2016	1,55,129
2015	1,22,926
2014	038,294
2013	253110
2012	413615
2011	448945
2010	309634
2009	322242
2008	327611
2007	287870
2006	216883
2005	169046
2004	102331
2003	78,050
2002	54023
2001	54074
2000	88672

बुग्याल को नो कैंपिंग जोन घोषित करें

देवाल। रूपकुंड वैली टूर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ने जिलाधिकारी से रूपकुंड ट्रैक को पर्यावरण संरक्षण और नियंत्रित पर्यटन नियमों के तहत पुनः शुरू करने की मांग की। एसोसिएशन ने वेदनी बुग्याल को नो कैंपिंग जोन घोषित करने का भी प्रस्ताव दिया है।

एसोसिएशन के इंद्र सिंह राणा, प्रदीप कुनियाल, भुवन बिष्ट, संतोष, सूरज, भरत आदि ने डीएम को दिए ज्ञापन में कहा कि वर्ष 2018 में बुग्यालों में नाइट स्टे पर रोक लगने से यह ट्रैक प्रभावित हुआ था। पिछले जुलाई माह में सुप्रीम कोर्ट ने यह रोक हटा दी। इससे आठ साल बाद पर्यटक ट्रैकिंग कर सकेंगे। एसोसिएशन के सदस्यों ने कहा कि वेदनी बुग्याल का मुख्य क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील है। उन्होंने वेदनी बुग्याल में किसी भी तरह की कैंपिंग की अनुमति न देने की मांग की। टूर ऑपरेटरों ने बुग्याल की प्राकृतिक वनस्पति और पारिस्थितिकी को संरक्षित रखने पर जोर दिया।

खुद को ड्रग इंस्पेक्टर बताकर 32 लाख की ठगी

देहरादून। खुद को स्वास्थ्य विभाग का ड्रग इंस्पेक्टर बताकर सरकारी नौकरी लगवाने और शादी करने का झांसा देकर करीब 32 लाख रुपये की ठगी करने वाले आरोपी चारू चन्द्र जोशी को नेहरू कॉलोनी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को पिथौरागढ़ के एंचोली क्षेत्र से दबोचा। पुलिस के मुताबिक आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था और गिरफ्तारी से बचते हुए नेपाल भागने की फिराक में था।

शादी डॉट कॉम के जरिए हुई थी मुलाकात

पुलिस के अनुसार आरोपी की मुलाकात पीड़िता से शादी डॉट कॉम के माध्यम से हुई थी। बातचीत आगे बढ़ने पर आरोपी ने खुद को स्वास्थ्य विभाग में तैनात ड्रग इंस्पेक्टर बताया और अधिकारियों से अपने करीबी संबंध होने का दावा किया।

आरोपी ने पीड़िता को शादी करने के साथ-साथ सरकारी विभाग में नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाया। उसके झांसे में आकर पीड़िता ने अलग-अलग समय पर आरोपी को करीब 32 लाख रुपये दे दिए।

पुरानी विभागीय पहचान को बनाया ठगी का हथियार

जांच में सामने आया कि आरोपी पहले स्वास्थ्य विभाग में संविदा पर फार्मासिस्ट के रूप में काम कर चुका था। वर्ष 2022 में धोखाधड़ी और अन्य मामलों में जेल जाने के बाद उसे नौकरी से हटा दिया गया था। पुलिस का कहना है कि नौकरी छूटने के बाद आरोपी ने अपनी पुरानी विभागीय पहचान और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े अनुभव का इस्तेमाल लोगों को प्रभावित करने के लिए किया और इसी पहचान को ठगी का जरिया बना लिया।

चौदह बीघा में अवैध शराब बिक्री का भंडाफोड़

ऋषिकेश। ऋषिकेश के वार्ड नंबर-6 स्थित चौदह बीघा क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ महिलाओं ने मोर्चा खोलते हुए छापेमारी की। महिलाओं की कार्रवाई के दौरान मौके से बड़ी मात्रा में शराब बरामद होने की बात सामने आई है। स्थानीय महिलाओं के अनुसार, क्षेत्र में लंबे समय से अवैध रूप से शराब की बिक्री किए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। इससे क्षेत्र के लोगों में नाराजगी थी। इसी को लेकर महिलाओं ने एकजुट होकर संदिग्ध स्थान पर छापा मारा, जहां शराब का जखीरा बरामद हुआ।

महिलाओं ने अवैध शराब के कारोबार पर तत्काल रोक लगाने और संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि क्षेत्र में इस तरह की गतिविधियों से युवाओं पर गलत असर पड़ रहा है और मोहल्ले का माहौल खराब हो रहा है।

मामले में पुलिस एवं आबकारी विभाग की कार्रवाई का इंतजार है। बरामद शराब की वास्तविक मात्रा और कार्रवाई से जुड़ी आधिकारिक जानकारी विभागीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

बंदरों के उत्पात से जनता परेशान

कर्णप्रयाग। नगर पालिका क्षेत्र में बंदरों के बढ़ते उत्पात से परेशान लोगों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। भाजपा चमोली के उपाध्यक्ष सुभाष चमोली और नगर पालिका परिषद के सभासद आलम पंवार ने बताया कि बंदर आए दिन आम लोगों पर हमला कर रहे हैं। इससे स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा पर संकट बना है। उन्होंने एसडीएम से नगर क्षेत्र को बंदरों के उत्पात से मुक्त कराने की मांग की। सुभाष चमोली ने लावारिस घूम रहे सांड़ की समस्या भी उठाई। उन्होंने बताया कि सांड़ चलते-फिरते लोगों पर हमला कर रहे हैं।

मेरे सपनों का उत्तराखंड अभियान को मिला जनसमर्थन

श्रेष्ठ 140 विचारों पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वयं करेंगे विद्यार्थियों से संवाद

जयन्त प्रतितनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल पर शुरू किए गए 'मेरे सपनों का उत्तराखंड' अभियान को प्रदेश के विद्यार्थियों से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिल रही है। राज्यभर से अब तक 2.5 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने अपने निबंध एवं सुझाव पोर्टल पर जमा कर उत्तराखंड के भविष्य को लेकर अपना विजन साझा किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विद्यार्थी केवल उत्तराखंड का भविष्य नहीं हैं, बल्कि उनके विचार आज के उत्तराखंड को भी नई दिशा देने की क्षमता रखते हैं। 'मेरे सपनों का उत्तराखंड' के माध्यम से हम नई पीढ़ी की सोच को सुन रहे हैं। युवाओं के अच्छे और व्यावहारिक सुझावों को प्रदेश के विकास में स्थान दिया जाएगा। हमारा संकल्प है कि युवा जिस उत्तराखंड का सपना देख रहे हैं, उसे साकार करने में उन्हें भी सहभागी बनाया जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बीते 10 अगस्त को प्रदेशभर के कक्षा 11वीं एवं 12वीं के लगभग तीन लाख विद्यार्थियों के साथ ऑनलाइन संवाद करते हुए उनसे आह्वान किया था कि वे बताएं कि आने वाले वर्षों में वे अपने उत्तराखंड को किस रूप में देखना चाहते हैं। मुख्यमंत्री के इस आह्वान के बाद सरकारी एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ अभियान में भागीदारी की। विद्यार्थियों ने पर्यटन, रोजगार, सामाजिक विकास, वन एवं पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक सहित आठ प्रमुख विषयों पर अपने सुझाव और नए विचार प्रस्तुत किए हैं। खास बात यह है कि ये केवल निबंध नहीं, बल्कि उत्तराखंड की नई पीढ़ी की आकांक्षाओं और भविष्य के प्रदेश को लेकर उनकी सोच का दस्तावेज बन रहे हैं। अभियान के अंतर्गत 140 श्रेष्ठ विचारों का चयन किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों को शासन के वरिष्ठ अधिकारियों एवं सचिवों के साथ अपने विचारों पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री भी इन विद्यार्थियों के साथ स्वयं संवाद कर उनके विजन और अनुभवों को सुनेंगे। इसके साथ ही श्रेष्ठ विद्यार्थियों को करियर एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहयोग और अन्य पुरस्कार प्रदान किए जाने की भी व्यवस्था की गई है। अभियान के संयोजक डॉ. राहुल अग्रवाल ने बताया कि नई पीढ़ी को सीधे राज्य की विकास प्रक्रिया और नीति निर्माण की सोच से जोड़ने की यह एक अभिनव पहल है।

एक नजर

तलौर में जंगली जानवरों की दहशत

देवाल। तलौर गांव में जंगली सुअरों, बंदरों और लंगूरों का उत्पात बढ़ गया है। जंगली सुअरों ने फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। वहीं बंदर और लंगूर बच्चों पर हमला कर रहे हैं जिससे गांव में दहशत है। ग्रामीणों ने वन विभाग से नुकसान की जांच कर मुआवजा देने और जानवरों को पकड़ने की मांग की। उन्होंने कार्रवाई न होने पर रेंज कार्यालय में धरना देने की चेतावनी दी। वहीं रेंज अधिकारी मनोज देवराड़ी ने मामले में आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पीएम किसान सम्मान निधि के आवेदन लंबित

जिलासू। क्षेत्र के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। किसानों ने बताया कि उन्होंने करीब पांच-छह महीने पहले पोर्टल पर आवेदन किया था। संतोष तिवारी और प्रेम सिंह सहित अन्य किसानों के आवेदन भी अभी तक लंबित हैं।

ई-केवाईसी और किसान पंजीकरण जैसी सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं। इसके बावजूद आवेदन ब्लॉक स्तर पर ऑनलाइन लंबित दिखा रहा है। इस देरी के कारण किसानों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने संबंधित विभाग से जल्द प्रक्रिया पूरी कर लाभ दिलाने की मांग की। वहीं कृषि विभाग के भूमि संरक्षण अधिकारी राजेश खेतवाल ने बताया कि पोर्टल की आईडी एनआईसी को भेजी गई है। केंद्र सरकार से आईडी अनुमोदित होते ही लंबित कार्रवाई पूरी कर दी जाएगी।

15 बच्चों और एक गर्भवती का किया टीकाकरण

जिलासू। जिलासू क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों में करीब 15 बच्चों और एक गर्भवती का टीकाकरण किया गया है। टीकाकरण आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुषमा देवी, सतेश्वरी देवी, सरस्वती देवी और सर्वेश्वरी बर्तवाल ने पूरा किया।

बच्चों को पेंटावैलेंट और 14 वर्ष के किशोरों को एचपीवी के टीके लगाए गए। गर्भवती को टीडी का टीका लगाया गया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि समय पर टीके लगाना नियमित टीकाकरण का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

गैस उपकरणों की अनिवार्य जांच शुरू

कर्णप्रयाग। इंडेन गैस सर्विस की ओर से क्षेत्र में घर-घर जाकर पांच वर्षीय अनिवार्य निरीक्षण व जांच कार्य शुरू किया जा रहा है। एजेंसी की प्रबंधक रजनी थपलियाल ने बताया कि गढ़वाल मण्डल विकास निगम देहरादून के निर्देशों के तहत यह जांच पांच साल में एक बार की जाती है। इसमें रबर/प्लास्टिक पाइप व गैस उपकरणों की सुरक्षा जांच होगी। इंडेन ऑयल कॉर्पोरेशन की ओर से सामान्य उपभोक्ताओं के लिए 236 रुपये जीएसटी सहित और उज्जवला योजना के उपभोक्ताओं के लिए 59 रुपये शुल्क तय किया गया है।

इस संबंध में उपजिलाधिकारी, थानाध्यक्ष व खाद्य आपूर्ति अधिकारी को सूचना भेज दी गई है। कंपनी के प्रतिनिधि पहचानपत्र दिखाकर ही जांच करेंगे।

एसआईआर अभियान, 633 में से 573 मतदेय स्थलों पर दावे-आपत्तियों की सुनवाई पूरी

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने के लिए शनिवार को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव कुमार ने जिला सभागार में प्रेस वार्ता की। इस दौरान जिलाधिकारी ने एसआईआर अभियान के तहत जनपद में चल रहे कार्यों, दावे-आपत्तियों की सुनवाई तथा मतदाता पंजीकरण की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि एसआईआर अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, पारदर्शी एवं अद्यतन बनाना है। उन्होंने निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों एवं कार्मिकों को दावे-आपत्तियों का नियमानुसार परीक्षण करते हुए समयबद्ध ढंग से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में कुल 63,347 नोटिसों के सापेक्ष अब तक 63,247 नोटिस वितरित किए जा चुके हैं।

शेष 100 नोटिसों का वितरण भी निर्धारित समयावधि में पूरा करने की कार्रवाई जारी है। विधानसभा क्षेत्रवार बद्रीनाथ में 21,818, थराली में 19,921 तथा कर्णप्रयाग में 21,508 नोटिस वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि जनपद की तीनों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 2,72,188 मतदाता हैं। निर्वाचन कार्यों के सुचारु संचालन के लिए जनपद के 633 मतदेय स्थलों पर 14 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं 31 अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तैनात किए गए हैं। इसके अलावा 633 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के सहयोग के लिए 633 अतिरिक्त कार्मिक नामित किए गए हैं, जो दावे-आपत्तियों की सुनवाई, अभिलेखों के परीक्षण एवं अन्य निर्वाचन संबंधी कार्यों में सहयोग कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि बद्रीनाथ विधानसभा क्षेत्र में 3 से 28 अगस्त, थराली विधानसभा क्षेत्र में 3 से 31 अगस्त तथा कर्णप्रयाग विधानसभा क्षेत्र में 3 से 22 अगस्त 2026 तक दावे एवं आपत्तियों की सुनवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि 15 जुलाई से 13 अगस्त 2026 तक जनपद की तीनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों से कुल 4,357 प्रपत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें फार्म-6 के 2,831, फार्म-6ए का 1, फार्म-7 के 387 तथा फार्म-8 के 1,138 प्रपत्र शामिल हैं। विधानसभा क्षेत्रवार बद्रीनाथ से 1,425, थराली से 1,797 तथा कर्णप्रयाग से 1,135 प्रपत्र प्राप्त हुए हैं। इसी प्रकार 14 से 21 अगस्त 2026 तक जनपद में कुल 1,877 प्रपत्र प्राप्त हुए हैं। इनमें फार्म-6 के 1,267, फार्म-6ए के 0, फार्म-7 के 168 तथा फार्म-8 के 442 प्रपत्र शामिल हैं। विधानसभा क्षेत्रवार बद्रीनाथ से 670, थराली से 645 तथा कर्णप्रयाग से 562 प्रपत्र प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि 14 अगस्त 2026 से ईआरओ नेट सॉफ्टवेयर में ऑनलाइन प्राप्त दावे-आपत्तियों का निस्तारण निर्वाचक नामावलियों के अंतिम प्रकाशन की तिथि 15 सितंबर 2026 के पश्चात नियमानुसार किया जाएगा। 21 अगस्त तक मतदेय स्थलों पर नोटिसों की सुनवाई की स्थिति के संबंध में जिलाधिकारी ने बताया कि बद्रीनाथ विधानसभा क्षेत्र के 219 में से 211, थराली के 220 में से 171 तथा कर्णप्रयाग के 194 में से 191 मतदेय स्थलों पर सुनवाई पूरी हो चुकी है। इस प्रकार जनपद के कुल 633 मतदेय स्थलों में से 573 पर सुनवाई पूरी हो गई है, जबकि 60 मतदेय स्थलों पर सुनवाई शेष है।

लावारिश कुत्तों का आतंक, खुले नारायणबगड़ के स्कूल

चमोली। बीते चार दिनों से लावारिश कुत्तों के आतंक से लोगों को राहत मिली। शनिवार को ब्लॉक मुख्यालय के स्कूलों को भी खोल दिया गया। लोग डंडा साथ लेकर अपने बच्चों को स्कूलों तक छोड़ने गए। अभिभावकों ने अतिरिक्त सावधानी बरती। बीते कुछ दिनों से नारायणबगड़ बाजार में लावारिश कुत्तों के हमले की घटनाएं लगातार सामने आ रही है। हमले में पांच स्कूली बच्चों सहित 11 लोग घायल हो गए थे। जिस पर कार्रवाई करते हुए डीडीआरएफ और पशुपालन विभाग, वन विभाग की सहयोग से 90 कुत्तों का वैक्सीनेशन किया गया।

पिछले चार दिनों में लावारिस कुत्तों के हमले में 11 लोग घायल हुए जिनमें पांच स्कूली बच्चे भी शामिल रहे। कुत्तों की बढ़ती दहशत को देखते हुए बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने नारायणबगड़ और नलगांव क्षेत्र के सभी विद्यालयों में 23 अगस्त तक अवकाश घोषित कर विद्यालयों में ऑनलाइन पढ़ाई कराने के निर्देश दिए थे। वहीं बृहस्पतिवार शाम को कुत्ते ने एक गाय और खच्चर को भी काटा। बाद में गाय और खच्चर को टीका लगाया गया। अब सामान्य होती जा रही स्थिति को देखते हुए शनिवार से स्कूलों को खोलने के आदेश जारी किए गए हैं। बीईओ अनिनाथ ने इसकी पुष्टि की है। दूसरी ओर लावारिस कुत्तों को पकड़ने के लिए डीडीआरएफ की टीम क्षेत्र में लगातार गश्त कर रही है और लोगों से अपने कुत्तों को वैक्सीन लगाने की अपील कर रही है। कुत्तों के लगातार हमलों से बाजार और आसपास के गांवों में दहशत का माहौल बना हुआ था। जरूरी काम से बाहर आने वाले लोग हाथों में डंडा लेकर आ रहे हैं।

अब तक 90 पालतू और लावारिस कुत्तों का हो चुका वैक्सीनेशन

प्रशासन और पशुपालन विभाग ने एसडीआरएफ टीम की मदद से अभियान चलाकर 36 कुत्तों का टीकाकरण किया।

तमक नाले में लापता बीआरओ कर्मी का शव मिला

चमोली। ,तमक नाले के सैलाब में लापता हुए बीआरओ कर्मी का शव 12 दिन बाद बरामद हो गया है। शव मिलने के साथ ही यहां चल रहे रेस्क्यू अभियान को बंद कर दिया गया है। नीती घाटी के तमक नाले में 10 अगस्त को आई आपदा में मोटर पुल बह गया था। वहां पर काम कर रहे बीआरओ के कर्मचारी पंकज सिंह अचानक नाले में आए सैलाब में लापता हो गए। उसी दिन से पंकज की तलाश में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस, सेना, बीआरओ सहित अन्य एजेंसियां लगातार सर्च अभियान चला रही थी। रेस्क्यू डॉग का उपयोग किया जा रहा था,

एस्क्लेवेटर मशीन से खुदाई की जा रही थी, रडार तकनीक का भी उपयोग किया जा रहा था।

सर्च अभियान के दौरान शनिवार को घटना के 12 दिन बाद पंकज का शव धौली गंगा के किनारे बरामद हो गया। शव मिलने पर बीआरओ के जवान और पुलिस मौके पर पहुंची।

जौनसारी बोली में जल्द शुरू होगा सर्टिफिकेट कोर्स : प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी

साहिया, जौनसार-बावर क्षेत्र के छात्रों के लिए उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में जल्द ही जौनसारी बोली-भाषा को शामिल किया जाएगा। जौनसारी भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने की दिशा में विश्वविद्यालय स्तर पर कार्य चल रहा है। यह जानकारी उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने शुक्रवार को सरदार महिपाल राजेन्द्र जनजातीय (पी.जी.) कॉलेज, साहिया में आयोजित उच्च शिक्षा आपके द्वार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दी।

कुलपति प्रो. लोहनी ने बताया कि विश्वविद्यालय में जौनसारी भाषा में पाठ्यक्रम शुरू करने को लेकर प्रक्रिया चल रही है। पाठ्यक्रम तैयार होने के बाद इसे जनवरी 2027 या जुलाई 2027 के सत्र से शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की स्थानीय भाषाओं और बोलियों के संरक्षण के साथ उन्हें

उच्च शिक्षा से जोड़ना विश्वविद्यालय की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में गढ़वाली और कुमाऊंनी सहित अन्य स्थानीय भाषाओं में पाठ्यक्रम पहले से संचालित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जौनसारी बोली-भाषा को भी शैक्षणिक पाठ्यक्रम से जोड़ने की पहल की जा रही है।

कुलपति ने कहा कि जौनसारी भाषा में पाठ्यक्रम शुरू होने से क्षेत्र की स्थानीय बोली, लोक संस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन को नई दिशा मिलेगी। यह पहल जौनसार-बावर की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को उच्च शिक्षा के साथ जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे क्षेत्र के छात्र अपनी मातृभाषा और स्थानीय संस्कृति से जुड़े विषयों का व्यवस्थित रूप से अध्ययन कर सकेंगे।

अधिक से अधिक लोगों तक उच्च शिक्षा पहुंचाना लक्ष्य

प्रो. लोहनी ने कहा कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक उच्च शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना है। मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था के माध्यम से व्यक्ति किसी भी उम्र में अपनी पढ़ाई जारी रख सकता है। उन्होंने कहा कि नौकरी, व्यवसाय या अन्य कारणों से नियमित कॉलेज नहीं जा पाने वाले विद्यार्थियों के लिए मुक्त विश्वविद्यालय की शिक्षा व्यवस्था काफी उपयोगी साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय छात्रों की सुविधाओं को प्राथमिकता दे रहा है। प्रवेश के बाद विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराने के साथ अब डिग्री भी डाक के माध्यम से उनके घर तक पहुंचाई जा रही है। इससे दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले विद्यार्थियों को विशेष सुविधा मिल रही है।

गुमखाल-सतपुली हाईवे निर्माण से मकान में दरारें, लगाई गुहार

मकान में आई दरारें

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गुमखाल-सतपुली हाईवे निर्माण कार्य के दौरान आसपास के मकानों को नुकसान पहुंचने का मामला सामने आया है। नगर पंचायत सतपुली के वार्ड नंबर 4 निवासी धर्मेंद्र सिंह ने हाईवे निर्माण कार्य के कारण अपने मकान में दरारें आने का आरोप लगाया है। मकान में लगातार उभर रही दरारों से परिवार की चिंता बढ़ गई है। धर्मेंद्र सिंह पुत्र गणेश सिंह, का कहना है कि उन्होंने मकान में आई दरारों की शिकायत राष्ट्रीय राजमार्ग प्रशासन से की थी। शिकायत के बाद संबंधित कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर दरारों में सीमेंट का घोल भर दिया था। हालांकि, कुछ समय बाद उन्हीं स्थानों पर दोबारा दरारें दिखाई देने लगीं। पीड़ित का आरोप है कि हाईवे निर्माण कार्य के दौरान हो रही गतिविधियों के कारण मकान को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने मामले की गंभीरता से जांच कराकर मकान को हुए नुकसान का आंकलन करने और आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। इस संबंध में परिवार ने एसडीएम को भी लिखित शिकायत सौंपते हुए मामले की जांच कराने की मांग की। शिकायतकर्ता का कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो मकान को और अधिक नुकसान पहुंचने की आशंका बनी हुई है। अब प्रशासनिक जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि मकान में आई दरारों का कारण हाईवे निर्माण कार्य है या कोई अन्य तकनीकी कारण।

खराब मौसम असर, चार उड़ानें रद्द, यात्री परेशान

श्रीनगर गढ़वाल : पहाड़ में लगातार खराब मौसम का असर हेलिकॉप्टर सेवा पर भी पड़ रहा है। शुक्रवार और शनिवार को खराब मौसम के कारण हेरिटेज एविएशन की सुबह और शाम की दोनों उड़ानें रद्द करनी पड़ी। दो दिन में चार उड़ानें रद्द होने से यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ी और कई लोगों को सड़क से आगे का सफर करना पड़ा। हेरिटेज एविएशन के ऑपरेशन मैनेजर अभिलाष पटवाल ने बताया कि हेलिकॉप्टर संचालन के लिए कम से कम 1500 मीटर की दृश्यता जरूरी है। इन दिनों लगातार बारिश, बादल और कम दृश्यता के कारण उड़ान संचालन में दिक्कत आ रही है। शुक्रवार और शनिवार को भी मौसम अनुकूल नही होने के कारण सुबह और शाम की उड़ानें संचालित नही हो सकी। गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्र रामानुज ने बताया कि उन्हें घरेलू कार्य से दिल्ली जाना था। वह श्रीनगर हेलिपैड पहुंचे थे, लेकिन मौसम खराब होने के कारण उड़ान रद्द हो गईं। उन्हें टैक्सी से देहरादून के लिए जाना पड़ा। आरसीएस-उड़ान योजना के तहत देहरादून, टिहरी, श्रीनगर और गौचर के बीच यह सेवा संचालित की जा रही है। (एजेंसी)

गढ़वाल विवि की डॉ. मनीषा निगम राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय की डॉ. मनीषा निगम का चयन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2024 के लिए किया गया है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों के लिए प्रदान किया जाने वाला यह राष्ट्रीय सम्मान उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देने वाला महत्वपूर्ण सम्मान है। शिक्षा मंत्रालय की ओर से 21 अगस्त 2026 को जारी पत्र के अनुसार, देशभर से इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान के लिए केवल 21 शिक्षकों का चयन किया गया है। चयनित शिक्षकों में विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों, केंद्रीय विश्वविद्यालयों तथा अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षक शामिल हैं। ऐसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर के सम्मान के लिए गढ़वाल विश्वविद्यालय की डॉ. मनीषा निगम का चयन विश्वविद्यालय के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पुरस्कार समारोह 5 सितंबर 2026 को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक पुरस्कार में प्रशस्ति-पत्र, 50,000 की पुरस्कार राशि एवं रजत पदक प्रदान किया जाएगा। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने डॉ. मनीषा निगम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

रक्षाबंधन पर बदरीनाथ पहुंचेगी मां इंद्रामति भगवती की दिवारा यात्रा

गोपेश्वर। टेड़ा–खंसाल (सुंदरगांव) क्षेत्र की आराध्य देवी मां इंद्रामति भगवती इन दिनों दिवारा यात्रा पर हैं। नौ साल बाद माता दिवारा यात्रा पर निकली हैं। शनिवार को चटोली गांव में माता की विशेष पूजाएं हुईं। पंडित गणेश मैठाणी, दुर्गा प्रसाद और प्रियांशु ने माता की विभिन्न पूजा की। इसके बाद कोठियालसैंण गांव होते हुए माता की डोली रात्रि प्रवास के लिए क्षेत्रपाल पहुंची। यहां भक्तों ने यात्रा का फूल–मालाओं से स्वागत किया।

संक्षिप्त समाचार

बारिश के सैलाब में बह गई हरकीदून की राह

पुरोला। मोरी विकासखंड की ग्राम पंचायत पंवाणी में अगस्त की अतिवृष्टि ने ग्रामीणों की आवाजाही, पेयजल व्यवस्था और पर्यटन गतिविधियों के सामने संकट खड़ा कर दिया है। भारी बारिश से गांव की कई सार्वजनिक परिसंपत्तियां क्षतिग्रस्त हो गई है। इनमें हरकीदून ट्रैकिंग रूट को जोड़ने वाला मुख्य पैदल पुल भी शामिल है जिससे ग्रामीणों के साथ ट्रैक पर आने वाले पर्यटकों की आवाजाही जोखिमभरी हो गई है।

ग्राम प्रधान जगतिमा देवी ने उपजिलाधिकारी पुरोला को ज्ञापन भेजकर क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों की तत्काल मरम्मत और पुनर्निर्माण की मांग की है। प्रधान ने बताया कि अतिवृष्टि से नाकुड़ी से प्राथमिक विद्यालय पंवाणी तक की पेयजल लाइन को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा घराट तोक की पुलिया, गाड़का नामे तोक की आरसीसी पुलिया, खाडण्डा तोक का पैदल मार्ग व गांव से श्मशान घाट तक जाने वाला पैदल रास्ता भी क्षतिग्रस्त हुआ है। सबसे बड़ी चिंता हरकीदून ट्रैकिंग रूट के मुख्य मार्ग पर स्थित पैदल पुल को लेकर है। पुल ग्रामीणों के साथ हर वर्ष देश–विदेश से आने वाले हजारों पर्यटकों के आवागमन का प्रमुख साधन है। पुल के क्षतिग्रस्त होने से आवाजाही में दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है। साथ ही ट्रेकिंग सीजन के दौरान पर्यटन गतिविधियों पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है।

आपदा ने छीनी छत, बाजार ने छीनी फसल की कीमत

नौगांव (उत्तरकाशी)। रवांई घाटी में आपदा, फसलों के नुकसान और नकदी फसलों के उचित दाम नहीं मिलने से ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सौली कस्बे में आपदा से बेघर हुए परिवारों के पुनर्वास से लेकर खराब हुई टमाटर और सेब की फसल से काश्तकारों पर आर्थिक संकट आ खड़ा हो गया है।

अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष श्याम डोभाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर क्षेत्र की इन समस्याओं को उनके समक्ष रखा। मुख्यमंत्री ने समस्याओं पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री आवास में हुई वार्ता के दौरान डोभाल ने सात अगस्त की रात सौली कस्बे में आई आपदा से प्रभावित परिवारों की स्थिति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि आपदा में चार परिवार बेघर हो गए हैं जबकि 11 परिवार अब भी खतरे की जद में हैं। बेघर परिवार फिलहाल निजी लोगों के घरों में शरण लिए हुए हैं। ऐसे में प्रभावितों के सुरक्षित पुनर्वास और खतरे में रह रहे परिवारों की सुरक्षा का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। डोभाल ने टमाटर उत्पादकों की समस्या भी रखी। उन्होंने बताया कि उचित मूल्य नहीं मिलने और परिवहन खर्च अधिक होने के कारण काश्तकारों ने 50 प्रतिशत से अधिक टमाटर खेतों में ही छोड़ दिया जो तुड़ान न होने से खराब हो गया। नकदी फसलों पर निर्भर काश्तकारों के सामने बैंक ऋण चुकाने का संकट खड़ा हो गया है।

गुलदार को पकड़ने के लिए लगाए दो पिंजरे

उत्तरकाशी। डुंडा क्षेत्र के खद्दूखाल सहित देवीधार गांव के आसपास गुलदार के बढ़ते हमलों को देखते हुए वन विभाग की ओर से ग्रामीणों के साथ मिलकर स्वैच्छिक ग्राम सुरक्षा बल का गठन किया गया है। साथ ही गुलदार को पकड़ने के लिए दो पिंजरे लगाए गए हैं। लेकिन अभी तक वन विभाग गुलदार को पकड़ने में करीब दो सप्ताह बाद भी नाकाम रहा है। डुंडा क्षेत्र के खद्दूखाल में बीते सात अगस्त को गुलदार ने एक युवती पर हमला किया था। उसके बाद उसी गुलदार ने देवीधार के समीप एक बाइक सवार युवक पर भी हमला किया। उसके बाद से लगातार खद्दूखाल सहित नौलियासौड़ व देवीधार के आसपास गुलदार लगातार दिखाई दे रहा है। करीब दो सप्ताह बाद भी वन विभाग गुलदार को नहीं पकड़ पाया है। अब विभाग की ओर से खद्दूखाल सहित देवीधार में दो पिंजरे लगाए गए हैं। साथ ही विभिन्न् स्थानों पर ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं।

पीएम पोषण शक्ति योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर हुई चर्चा

विद्यालयों में पेयजल, गैस सहित अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के अधिकारियों को निर्देश

आयोजित बैठक में भाग लेते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पीएम पोषण शक्ति योजना के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विकासखंड एकेश्वर के खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी चौबट्टाखाल रेखा आर्य ने की।

बैठक में योजना के संचालन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए उपजिलाधिकारी रेखा आर्य ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पीएम पोषण शक्ति योजना का लाभ विद्यार्थियों तक सुचारु रूप से पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों में आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने तथा योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने को कहा। बैठक के दौरान उपजिलाधिकारी ने दूरभाष के माध्यम से जल संस्थान के अधिकारियों को उन विद्यालयों में शीघ्र पेयजल संयोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जहां अभी तक जल संयोजन नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। खंड शिक्षा अधिकारी गुंजन अमरोही ने कहा कि विद्यालयों में गैस, पानी अथवा अन्य किसी प्रकार की समस्या सामने आने पर संबंधित अधिकारी को तत्काल अवगत कराया जाए, ताकि समस्याओं का शीघ्र निस्तारण किया जा सके। उन्होंने योजना के बेहतर संचालन के लिए सभी संबंधित कर्मचारियों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की अपेक्षा की। बैठक में उपजिलाधिकारी रेखा आर्य, खंड शिक्षा अधिकारी गुंजन अमरोही, प्रभारी मध्यान्ह भोजन योजना यतेंद्र मोहन धस्माना, डॉ. शिवम चौधरी, खाद्य पूर्ति निरीक्षक दिग्विजय राणा, राखी संतोष, महेंद्र रौतेला, लक्ष्मी थपलियाल सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

25 को बंद रहेगा कोटद्वार बाजार, धरना जारी

कोटद्वार में धरना देते व्यापारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रेलवे स्टेशन के बाहर दशकों से संचालित 60 से अधिक दुकानों को हटाने के नोटिस के विरोध में व्यापारियों का आंदोलन तेज हो गया है। शनिवार को कारोबारी परिवारों की महिलाएं भी धरने में शामिल हुईं। नगर उद्योग व्यापार मंडल ने प्रशासन से सोमवार तक दुकानों को हटाने का निर्णय वापस लेने की मांग की है। ऐसा नहीं होने पर मंगलवार को कोटद्वार का बाजार बंद रखने की चेतावनी दी गई है। लोनिवि की ओर से रेलवे स्टेशन के बाहर बनी खोखानुमा दुकानों से जुड़े कारोबारियों को 18 अगस्त के बाद दुकानें हटाने का नोटिस जारी किया गया था। इसके विरोध में नगर उद्योग व्यापार मंडल के बैनर तले कारोबारी 19 अगस्त से धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। शनिवार को आंदोलन में बड़ी संख्या में कारोबारी परिवारों की महिलाएं भी शामिल हुईं। इनमें कोमल, प्राची, वंदना, प्रिया, रोशनी, करुणा, सोनम, मधु, अनु, मीना, रेखा, दीपा, अनीता, शकुंतला, मायावती, प्रेमा, पूनम, कंचन, मेघा और शैली सहित अन्य महिलाएं शामिल रहीं। व्यापार मंडल के महामंत्री नवीन गोयल विक्की ने कहा कि प्रशासन ने यदि सोमवार तक दुकानों को हटाने का फैसला वापस नहीं लिया तो मंगलवार को कोटद्वार का बाजार बंद कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा। व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रवीण भाटिया ने कहा कि व्यापारियों की लड़ाई किसी व्यक्ति या संस्था के खिलाफ नहीं, बल्कि अन्याय के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि जिन दुकानों से कारोबारी परिवार दशकों से अपनी आजीविका चला रहे हैं, उन्हें हटाने से कई परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। धरने में सुनील गोयल, अज्जू भाटिया, आनंद सिंघानिया, वीरेंद्र वर्मा, दिनेश कुमार, भूपेश ढौंडियाल, प्रदीप ढौंडियाल, दीवान सिंह नेगी और विनोद नेगी सहित कई व्यापारी मौजूद रहे। व्यापारियों ने प्रशासन से मामले में समाधान निकालने और कार्रवाई पर पुनर्विचार करने की मांग की।

आक्रोशित व्यापारी बढ़े बिल की शिकायत लेकर पहुंचे कार्यालय

श्रीनगर गढ़वाल : स्मार्ट मीटर को लेकर व्यापारियों का गुस्सा ऊर्जा निगम के कार्यालय तक पहुंच गया। व्यापार सभा के पदाधिकारियों के साथ पहुंचे व्यापारियों ने अधिकारियों के सामने अपनी समस्याएं रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि कई प्रतिष्ठानों में बिना दुकानदार की सहमति के स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। व्यापारी अरविंद अग्रवाल ने बताया कि उनके प्रतिष्ठान में स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली का बिल पहले से अधिक आ रहा है। अन्य व्यापारियों ने भी बिलिंग से जुड़ी समस्याएं रखते हुए इनकी जांच की मांग की। कहा कि मीटर लगाने से पहले उपभोक्ताओं को पूरी जानकारी दी जानी चाहिए। यूपीसीएल के अधिशासी अभियंता गोपाल सिंह रावत ने व्यापारियों की शिकायतें सुनकर उनके निस्तारण के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्मार्ट मीटर को लेकर उपभोक्ताओं में भ्रांतियां हैं जबकि यह मीटर भी पुराने मीटर की तरह ही बिजली की खपत दर्ज करता है।

समस्याओं के समाधान के सिखाए गुर

आयोजित कार्यशाला में भाग लेते शिक्षक विद्यार्थी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई। कार्यशाला में इंटरनेशनल प्रोसेस एक्सीलेंस काउंसिल के रिसोर्स पर्सन दीपक द्विवेदी ने लीन सिक्स सिगमा के माध्यम से समस्याओं को समाधान में बदलने तथा संस्थागत प्रक्रियाओं को बेहतर प्रदर्शन में परिवर्तित करने की अवधारणा पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यशाला के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को लीन सिक्स सिगमा व्हाइट बेल्ट के प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। प्रमाणपत्र माननीय विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने प्रदान किए। उन्होंने कार्यशाला की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों में गुणवत्ता प्रबंधन, प्रक्रियाओं में सुधार और आधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ प्रबंधन संबंधी कौशल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि कोटद्वार महाविद्यालय में बायोटेक्नोलॉजी विभाग में एक्सीलेंस प्रोसेसिंग सेल स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों और शिक्षकों को गुणवत्ता आधारित कार्यप्रणाली तथा संस्थागत उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। कार्यशाला में विभिन्न महाविद्यालयों से प्रतिभाग करने वाले प्राध्यापकों एवं छात्राओं को भी विधानसभा अध्यक्ष द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। महाविद्यालय के अनुसार, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार को भारत का प्रथम ऐसा महाविद्यालय होने का गौरव प्राप्त हुआ है, जहां बायोटेक्नोलॉजी, वनस्पति विज्ञान एवं बी.जे.एम.सी. विभागों के अधिकांश छात्र-छात्राओं ने लीन सिक्स सिगमा व्हाइट बेल्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया। कार्यशाला का आयोजन एवं संचालन महाविद्यालय के आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. आर.के. द्विवेदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों और विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए प्रक्रियागत सुधार, गुणवत्ता प्रबंधन और भविष्य की रोजगारपरक क्षमताओं से जुड़े विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल अनुक्रमांक 0723196 की मार्कसीट की मूल प्रति वास्तव में कहीं खो गयी है, जो काफी खोजबीन के बावजूद भी नहीं मिली। मुझे हाईस्कूल अनुक्रमांक 0723196 की मार्कसीट की द्वितीय सत्यप्रति जारी की जाय।

कुलदीप सिंह पुत्र मंगल सिंह निवासी ग्राम वॉसी, पट्टी तल्ला बदलपुर, तहसील लैन्सडौन, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0595/21)

NOTICE

This is to declare that Kinjal Rawat, Admission No. 9899, Class 10, St. Josephe Convent School, Kotdwara, has her Date of Birth recorded as 26 Feb 2011.The correct Date of Birth is 27 Feb 2011. Necessary correction in the School/Board records is requested accordingly. For official record and necessary action. adhar no kinjal - 5931-3585-5344

Jitendra Singh Rawat S/o Let Manvar Singh Rawat R/o Lower Kalabarh, Kotdwara, Pauri Garhwal, Uttarakhand- 246149.
(0594/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री के सुकन्या योजना में नाम भूलवश नवमी जखमोला अंकित हो गया है, जबकि मेरी पुत्री का सही व वास्तविक नाम दिव्यांशी जखमोला है। मेरी पुत्री के आधार कार्ड, शैक्षिक अभिलेखों में नाम दिव्यांशी जखमोला अंकित है। मेरी पुत्री के सुकन्या योजना में नाम नवमी जखमोला के स्थान पर दिव्यांशी जखमोला अंकित किया जाय।

विनोद कुमार पुत्र राजाराम जखमोला निवासी ग्राम गन्दरियाखाल, सिगड्डी, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0593/21)

एनएसएस की गतिविधियां पूर्ण निष्ठा और सेवाभाव से संचालित हो : अपर शिक्षा निदेशक

आयोजित बैठक में अपने विचार रखते अधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की गढ़वाल मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर शिक्षा निदेशक, माध्यमिक शिक्षा गढ़वाल मंडल प्रमेन्द्र कुमार ने कार्यक्रम अधिकारियों को निर्देश दिए कि एनएसएस की गतिविधियों का संचालन पूर्ण निष्ठा और सेवाभाव के साथ किया जाए, ताकि इसका वास्तविक लाभ स्थानीय समुदाय तक पहुंच सके। जनपद चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल के पांच तथा पौड़ी जिले के चार विकासखंडों के कार्यक्रम अधिकारियों की बैठक का शुभारंभ अपर शिक्षा निदेशक प्रमेन्द्र कुमार, एनएसएस गढ़वाल मंडल कार्यक्रम समन्वयक पुष्कर सिंह नेगी, चमोली के जिला संयोजक जगदीश लाल टम्टा और विद्यालय की प्रधानाचार्या मीना गैरोला ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर स्वयंसेवी छात्राओं ने स्वागत गीत, एनएसएस लक्ष्यगीत एवं संकल्प गीत प्रस्तुत किए। बैठक में कार्यक्रम समन्वयक पुष्कर सिंह नेगी ने वर्ष 2026-27 के लिए स्वयं सेविवों की संख्या आवंटन, नामांकन, माय भारत पोर्टल पर स्वयं सेवियों के पंजीकरण, बजट आवंटन तथा बी एवं सी प्रमाण-पत्र परीक्षाफल समेत विभिन्न बिंदुओं की जानकारी दी। विद्यालय की प्रधानाचार्या मीना गैरोला ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों में बौद्धिक क्षमता के विकास के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। एनएसएस के नियमित कार्यक्रमों एवं सात दिवसीय विशेष शिविरों के दौरान संचालित होने वाली गतिविधियों की समीक्षा करते हुए अपर शिक्षा निदेशक प्रमेन्द्र कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं को चरित्रवान एवं संस्कारवान बनाने के साथ ही समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय सहभागिता का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कार्यक्रम अधिकारियों से कहा कि प्रत्येक एनएसएस इकाई और उसके सेवित गांवों में योजनाबद्ध तरीके से गतिविधियां संचालित की जाएं, जिससे ग्रामीणों एवं स्थानीय लोगों को इनका प्रत्यक्ष लाभ मिल सके। जिला संयोजक जगदीश लाल टम्टा ने एनएसएस के अंतर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों की जानकारी दी। बैठक का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सरिता उनियाल ने किया। इस अवसर पर एनएसएस प्रकोष्ठ प्रभारी अक्षिता नेगी, वरिष्ठ सहायक रितिका चमोली, धीरेन्द्र सिंह, सुमन चंद्र सती, करन कुमार, मनीष कुमार, प्रवेन्द्र पंवार, विपुल चंदोला सहित गढ़वाल मंडल के विभिन्न जनपदों से आए 83 कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभि0/उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों के लिए खुली निविदा ई–टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमंत्रित करते हैं।

सं0	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये	अग्रिम धन रुपये	निविदा फॉर्म की लागत रु.	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	2	3	4	5	6
1	**SNT-boundary-Wall-MB-NBD** प्रोविजन ऑफ़ सेफ्टी फेंसिंग डबल W टाइप फ्रॉम मुरादाबाद–नजीबाबाद ऑन मुरादाबाद–सहारनपुर सेक्शन	37760059.16	755200.00	Nil	14.09.2026 15:00
2	**SNT-boundaryWall-KUF-AMG** प्रोविजन ऑफ़ सेफ्टी फेंसिंग डबल W टाइप इन KUF-AMG सेक्शन	34824662.04	696500.00	Nil	14.09.2026 15:00
3	**SNT-boundaryWall-TSA-BEG** प्रोविजन ऑफ़ सेफ्टी फेंसिंग डबल W टाइप इन टिसुआ–बेहटा गोकुल सेक्शन	35673349.91	713500.00	Nil	14.09.2026 15:00
4	**SnT-boundaryWall-RMU-PMR** प्रोविजन ऑफ़ सेफ्टी फेंसिंग डबल W टाइप इन रामपुर–पिताम्बरपुर सेक्शन	33291483.65	665800.00	Nil	14.09.2026 15:00
5	**SNT-Sig-ELD-FACS-MB-25** प्रोविजन ऑफ़ इ एल डी एंड एफ ए सी एस एट आई वी एस एड एल सी गेट्स ओवर मुरादाबाद डिवीज़न	25522548.83	510500.00	Nil	14.09.2026 15:00
6	**251-SNT-SIG-MB-AMC-Plotte** कोम्प्रेहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट ऑफ़ रेप्रो प्रिंट 6M प्लॉटर फॉर पीरियड ऑफ़ 2 इयर्स ओवर मुरादाबाद डिवीज़न	278480.00	5600.00	Nil	14.09.2026 15:00

नोट:– निविदा के पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। Tender Notice- SNT-Boundary-MB-NBD,KUF-AMG,TSA-BE,RMU-PMR,ELD-FACS Date: 19.08.2026 2927/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जंगल की लड़ाई शहरों तक पहुंचेगी!

पिछले कुछ वर्षों से एक परिघटना के तौर पर 'अर्बन नक्सलिज्म' की चर्चा हो रही है। बड़े शहरों खास कर महानगरों में रहने वाले कुछ बुद्धिजीवियों को गिरफ्तार भी किया गया। उनके ऊपर नक्सलियों को समर्थन देने के आरोप लगे। भीमा कोरेगांव में हिंसा भड़काने के प्रयास के आरोपों में जांच हुई और कई बौद्धिकों के कंप्यूटर से कथित तौर पर हिंसा को समर्थन देने वाले दस्तावेज व चिट्ठियां बरामद हुईं। इस सिलसिले में गिरफ्तार किए गए फादर स्टेन स्वामी का न्यायिक हिरासत में निधन हो गया। उनके हाथ कांपते थे और उनको पानी पीने के लिए स्ट्रॉ चाहिए था तो उसकी लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक गई थी। सरकार उनके प्रति इतनी सख्त थी कि जेल प्रशासन स्ट्रॉ तक नही दे रहा था। गौतम नवलखा से लेकर आनंद तेलतुम्बडे और प्रोफेसर जी साईबाबा तक अनेक लोग गिरफ्तार हुए और लंबे समय तक जेल में रहे। अब प्रधानमंत्री ने 'दिमागी नक्सल का एक नया जुमला ईजाद किया है। उन्होंने लाल किले की प्राचीर से अपने 13वें भाषण में यह जुमला बोला। उन्होंने दावा किया कि जंगल के नक्सलियों, जिनके लिए उन्होंने 'हथियारी नक्सलिज्म शब्द का इस्तेमाल किया, का सफाया हो चुका है। इसके बाद उन्होंने 'दिमागी नक्सलिज्म की पहचान करने और उन्हें समाप्त करने का आह्वान किया। यह 'अर्बन नक्सलिज्म से आगे की परिघटना है। ऐसा लग रहा है कि 'अर्बन नक्सलिज्म का विमर्श वांछित परिणाम नहीं दे सका है। शहरी और ग्रामीण विभाजन में यह मामला कही खो गया। मध्य वर्ग के कुछ लोगों को एक अवधारणा के तौर पर यह अच्छा लगा लेकिन जिन लोगों पर कार्रवाई हुई उनमें से ज्यादातर को सामान्य लोग नही जानते थे या उनसे कनेक्ट नही कर सके। इसलिए उनके लिए ऐसे लोगों को खतरे के तौर पर देखना थोड़ा मुश्किल था। तभी ऐसा लग रहा है कि उससे आगे की परिघटना के तौर पर 'दिमागी नक्सलिज्म का विचार प्रस्तुत किया गया है। प्रधानमंत्री ने इसे अलग से परिभाषित नही किया लेकिन जिस तरह उन्होंने 'हथियारी नक्सलिज्म के बरक्स 'दिमागी नक्सलिज्म को रखा उससे परिभाषा बहुत स्पष्ट है। इसका पहला उद्देश्य तो यह दिख रहा है कि 'अर्बन नक्सलिज्म से जो बात ज्यादा लोगों तक नही पहुंची उसे 'दिमागी नक्सलिज्म के नाम पर पहुंचाया जाए। दूसरा मकसद यह दिख रहा है कि इसे एक खास भौगोलिक क्षेत्र की बजाय अखिल भारतीय परिघटना बनाया जाए। तीसरा उद्देश्य जंगल की लड़ाई को घर घर में और गली गली में पहुंचाना है। ध्यान रहे लोग नक्सल का एक ही मतलब समझते हैं। जिनको इसका इतिहास, भूगोल भी नही पता है वे भी मानते हैं कि नक्सली वो लोग होते हैं, जो सरकार से लड़ते हैं और सुरक्षाकर्मियों पर हमला करते हैं। यह बहुत सरलीकृत धारणा है लेकिन आम भारतीय के मन में नक्सली की यही छवि है। यह बात खासतौर से उन इलाकों के लिए कही जा सकती है, जहां नक्सलवाद का असर नही रहा है। बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश जैसे राज्य, जहां माओवाद या नक्सलवाद का असर रहा उन राज्यों के बाहर इसके बारे में कोई स्पष्ट धारणा लोगों के मन में नहीं है। असर वाले राज्यों में भी शहरी इलाकों में लोग इससे अप्रभावित रहे हैं। तो दूसरी ओर ग्रामीण इलाकों में इनके प्रति सहानुभूति रखने और इन्हें समर्थन देने वाला भी एक बड़ा तबका हमेशा मौजूद रहा है। बहरहाल, जो बिल्कुल ही अप्रभावित रहे या नक्सलवाद की परिघटना के भौगोलिक दायरे से बाहर रहे उनके मन में नक्सलियों को लेकर जो धारणा है वह सरकार विरोधी और सुरक्षा बलों पर हमला करने वालों के रूप में है। वे 'दिमागी नक्सलिज्म को भी इसी रूप में देखेंगे। उनके लिए 'दिमागी नक्सलिज्म वह है, जो सरकार का विरोध कर रहा है। भले विरोध लोकतांत्रिक हो। विरोध के तरीकों के आधार पर फर्क नही किया जाएगा। सशस्त्र विरोध और लोकतांत्रिक विरोध एक माने जाएंगे। तभी यह संभव है कि एक बरसात में धंस जाने वाले एक्सप्रेसवे का मुद्दा उठाने वाला 'दिमागी नक्सल मान लिया जाए।

चिंतन-मनन

इच्छाओं को समर्पित करते जाओ

सभी इच्छाएं खुशी के लिए होती हैं। इच्छाओं का लक्ष्य ही यही है। किंतु इच्छा आपको कितनी बार लक्ष्य तक पहुंचाती है? इच्छा तुम्हें आनंद की ओर ले जाने का आभास देती है, वास्तव में वह ऐसा कर ही नहीं सकती। इसीलिए इसे माया कहते हैं। इच्छा कैसे पैदा होती है? किसी सुखद अनुभव की स्मृति या भूत के प्रभाव से इच्छा पैदा होती है। कुछ सुनने से भी इच्छा जागृत हो सकती है या किसी विशेष स्थान या व्यक्ति के संपर्क से। किसी और व्यक्ति की जरूरत या इच्छा भी तुम्हारी अपनी इच्छा के रूप में पैदा हो सकती है। मान लो कोई भूखा है, तो तुम्हें उसे खिलाने की इच्छा हो सकती है, या कोई तुमसे बात करना चाहता हो तो तुम्हारी भी उससे बात करने की इच्छा हो सकती है। कभी-कभी नियति या कोई घटना जिसमें तुम्हें भाग लेना है, तुममें इच्छा जाग्रत करती है, पर तुम अपने कृत्यों का कारण नहीं जानते।

इच्छाएं अपने आप उत्पन्न होती हैं, वे तुमसे पूछकर नहीं आतीं। जब इच्छाएं उत्पन्न होती हैं, तुम उनका क्या करते हो? यदि तुम सोचते हो कि तुम इच्छाहीन हो जाओ, तो यह भी एक और इच्छा है। मैं एक उपाय बताता हूं- सिनेमा देखने के लिए टिकट खरीदनी पड़ती है और यह टिकट प्रवेश द्वार पर देनी पड़ती है। यदि तुम उस टिकट को पकड़े रखोगे तो अंदर कैसे जाओगे? उसी प्रकार, यदि तुम किसी कॉलेज में दाखिल होना चाहते हो तो आवेदन पत्र की जरूरत है। उसे भरकर जमा करना पड़ता है। उसे पकड़कर नहीं रख सकते। इसी प्रकार जीवन-यात्रा में भी अपनी इच्छाओं को पकड़कर मत रखो, उन्हें समर्पित करते जाओ। जैसे-जैसे समर्पण करते जाओगे, इच्छाएं भी कम उत्पन्न होंगी। सौभाग्यवान वे हैं जिनमें इच्छा उत्पन्न ही नहीं होती, क्योंकि इच्छा जागृत होने के पहले ही वे तृप्त हैं।

शिक्षा के मंदिर में भरोसे का संकटः स्कूलों में छात्राओं से छेड़खानी

डॉ. प्रियंका सौरभ

स्कूल केवल पढ़ाई की जगह नहीं होते। वे बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण, संस्कार, अनुशासन और सुरक्षित भविष्य की नींव रखते हैं। माता-पिता जब अपने बच्चों को विद्यालय भेजते हैं तो उनके मन में यह विश्वास होता है कि शिक्षक उनके बच्चे को ज्ञान देने के साथ-साथ उसकी सुरक्षा और गरिमा का भी ध्यान रखेंगे। लेकिन जब इसी भरोसे की आड़ में किसी शिक्षक द्वारा छात्रा के साथ छेड़खानी, अनुचित व्यवहार या यौन उत्पीड़न की घटना सामने आती है, तो चोट केवल एक बच्ची को नहीं लगती; पूरा शैक्षणिक तंत्र कटघरे में खड़ा हो जाता है।

विद्यालयों में छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा अनुचित व्यवहार की खबरें समय-समय पर सामने आती रही हैं। हर घटना की प्रकृति और तथ्य अलग हो सकते हैं, इसलिए किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी ठहराना उचित नहीं है। लेकिन शिकायत सामने आने के बाद उसे दबा देना, बच्ची को चुप कराने की कोशिश करना या संस्थान की प्रतिष्ठा बचाने के लिए मामले को टालना उससे भी अधिक गंभीर समस्या है। किसी भी विद्यालय की प्रतिष्ठा बच्चों की सुरक्षा से बड़ी नहीं हो सकती।

शिक्षक और विद्यार्थी का रिश्ता मूलतः विश्वास पर आधारित होता है। एक शिक्षक के पास ज्ञान के साथ-साथ अधिकार भी होता है। छात्र शिक्षक की बात को स्वाभाविक रूप से महत्व देता है और कई बार उसे अपने माता-पिता के बाद सबसे विश्वसनीय वयस्क मानता है। यही कारण है कि यदि कोई शिक्षक इस विश्वास और अधिकार का दुरुपयोग करता है तो बच्ची के लिए विरोध करना आसान नहीं होता। किशोरावस्था में बच्चे कई बार यह समझ ही नहीं पाते कि किसी वयस्क का व्यवहार सामान्य है या अनुचित। डर, शर्म, सामाजिक दबाव, परीक्षा और भविष्य को लेकर चिंता तथा यह भय कि उनकी बात पर विश्वास किया जाएगा या नहीं—उन्हें शिकायत करने से रोक सकते हैं। इसलिए केवल यह पूछना कि 'बच्ची ने पहले शिकायत क्यों नहीं की?' पर्याप्त नहीं है। असली सवाल यह होना चाहिए कि क्या विद्यालय ने ऐसा सुरक्षित वातावरण बनाया है जिसमें बच्ची बिना डर अपनी बात कह सके?

ऐसे मामलों में सबसे खतरनाक तत्व अक्सर चुप्पी होती है। कई परिवार सामाजिक बदनामी के डर से शिकायत नहीं करना चाहते। कुछ लोग यह सोचकर मामले को दबा देते हैं कि बच्ची की पढ़ाई प्रभावित होगी। विद्यालय प्रशासन भी कभी-कभी संस्थान की छवि खराब होने की चिंता में शिकायत को आंतरिक स्तर पर समाप्त करने की कोशिश कर सकता है। लेकिन ऐसी चुप्पी गलत व्यवहार को बढ़ावा दे सकती है। यदि किसी बच्ची की शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जाता तो उसे यह संदेश मिल सकता है कि उसकी सुरक्षा से अधिक महत्वपूर्ण संस्थान की प्रतिष्ठा है। यह संदेश किसी भी सभ्य समाज के लिए बेहद चिंताजनक है।

इसलिए अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन को यह समझना होगा कि शिकायत करना बदनामी नहीं, बल्कि सुरक्षा की दिशा में उठाया गया कदम है। आरोप की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोष सिद्ध होने पर कानून तथा संस्थागत नियमों के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। विद्यालय प्रशासन की भूमिका केवल घटना होने के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सुरक्षा की व्यवस्था पहले से मजबूत होनी चाहिए। शिक्षकों और कर्मचारियों की नियुक्ति के दौरान उचित सत्यापन, स्पष्ट आचार-संहिता, विद्यार्थियों के साथ व्यवहार के नियम तथा शिकायत की सुरक्षित व्यवस्था आवश्यक है।

विद्यालयों में बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि अच्छा और अनुचित स्पर्श क्या होता है, असहज व्यवहार की पहचान कैसे करें और किसी विश्वसनीय वयस्क को इसकी जानकारी कैसे दें। यह शिक्षा केवल छात्राओं के लिए नहीं, बल्कि सभी बच्चों के लिए होनी चाहिए। उन्हें यह भी समझाया जाना चाहिए कि किसी भी अनुचित व्यवहार के लिए वे स्वयं जिम्मेदार नहीं हैं। स्कूलों में ऐसी शिकायत व्यवस्था होनी चाहिए जहां बच्चा बिना भय के अपनी बात रख सके। महिला शिक्षक, प्रशिक्षित काउंसलर या अन्य विश्वसनीय वयस्क की उपलब्धता इस दिशा में महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत में बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण देने के लिए POCSO Act, 2012 मौजूद है। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के साथ यौन अपराधों के मामलों में यह कानून महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रदान करता है। विद्यालयों और उनके कर्मचारियों को इस कानून की मूलभूत जानकारी होना आवश्यक है। किसी गंभीर शिकायत को केवल 'विद्यालय का आंतरिक मामला' मानकर दबा देना उचित नहीं है। मामले की प्रकृति के अनुसार सक्षम अधिकारियों को सूचना और सहयोग देना आवश्यक हो सकता है। कानूनी प्रक्रिया का उद्देश्य केवल आरोपी को दंडित करना नहीं, बल्कि पीड़ित बच्चे की सुरक्षा, गरिमा और अधिकारों की रक्षा करना भी है।

समाज में आज भी कई बार ऐसी घटनाओं के बाद सवाल बच्ची के व्यवहार, कपड़े, समय, दोस्ती या सोशल मीडिया गतिविधियों पर उठाए जाते हैं। यह सोच गलत और नुकसानदायक है। किसी बच्ची का पहनावा, उसकी बातचीत या उसका किसी शिक्षक पर विश्वास किसी वयस्क को अनुचित व्यवहार का अधिकार नहीं देता। जिम्मेदारी उस व्यक्ति की है जो अपनी स्थिति, उम्र और अधिकार का दुरुपयोग करता है। बच्चियों को सुरक्षा के नाम पर डराने के बजाय उन्हें आत्मविश्वास देना होगा। उन्हें यह भरोसा मिलना चाहिए कि यदि कोई व्यक्ति उन्हें असहज करता है तो वे बिना शर्म और भय के अपनी बात कह सकती हैं।

अधिकांश शिक्षक पूरी ईमानदारी और समर्पण से बच्चों का भविष्य बनाते हैं। इसलिए कुछ लोगों के कथित या सिद्ध गलत आचरण का दाग पूरे शिक्षक समुदाय पर लगाना उचित नहीं है। लेकिन इसी कारण शिक्षकों के पेशेवर आचरण की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। शिक्षक के पास बच्चों के साथ लगातार संपर्क होता है। इसलिए उसे सीमाओं और पेशेवर मर्यादाओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए। व्यक्तिगत संदेश, अनुचित टिप्पणी, अनावश्यक शारीरिक संपर्क या एकांत में बुलाने जैसी स्थितियों को लेकर विद्यालयों में स्पष्ट नियम होने चाहिए। शिक्षक का व्यवहार ऐसा होना चाहिए जिसमें सम्मान, समानता और सुरक्षा की भावना दिखाई दे।

विद्यालय प्रशासन को स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि बच्चों के साथ किसी भी प्रकार का यौन या अनुचित व्यवहार स्वीकार्य नहीं है। लेकिन 'जीरो टॉलरेंस' का अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि बिना जांच किसी पर कार्रवाई कर दी जाए। इसका सही अर्थ है—हर शिकायत को गंभीरता से लेना, निष्पक्ष प्रक्रिया अपनाना, बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करना और जांच के निष्कर्ष के आधार पर उचित कार्रवाई करना। शिकायत मिलने पर विद्यालय को आरोपी शिक्षक और छात्रा के बीच ऐसी परिस्थितियों को रोकना चाहिए जिनसे बच्ची पर दबाव पड़े या उसकी सुरक्षा प्रभावित हो। जांच प्रक्रिया को प्रभावित करने, गवाहों को डराने या शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाने जैसी किसी भी कोशिश को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। अभिभावकों को भी बच्चों के साथ संवाद का वातावरण बनाना होगा। यदि बच्चा किसी शिक्षक या अन्य व्यक्ति के व्यवहार को लेकर असहज महसूस करता है तो उसकी बात बीच में काटने के बजाय ध्यान से सुनना चाहिए।

जिनपिंग की भारत यात्रा- बॉर्डर पर तैनाती और निगरानी बढ़ाने का समय आ गया

संतोष कुमार पाठक

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत आने की तैयारी कर रहे हैं। भारत यात्रा के दौरान चीन के राष्ट्रपति 18वें ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होंगे। जिनपिंग इससे पहले वर्ष 2019 में शिखर वार्ता के लिए भारत आएं थे। चीनी राष्ट्रपति के भारत यात्रा के दौरान जाहिर तौर पर दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर भी बातचीत होगी। हाल के दिनों में भारत चीन सीमा पर खासकर अरुणाचल प्रदेश को लेकर जो खबरें आ रही है, उसने पूरे देश को चिंतित कर दिया है। बदले माहौल में अब भारत की कोई भी सरकार सिर्फ शांति और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के नाम पर पड़ोसी देश की इस तरह की नापाक हरकतों को ठंडे बस्ते में नहीं डाल सकती है। ऐसे में नई दिल्ली में स्वागत की तैयारियों से भी ज्यादा जरूरी हो जाता है भारत-चीन सीमा पर सैनिकों को पूरे साजो-सामान के साथ 24 घंटे रेडी मोड में रखना। चीन का इतिहास भी यही बताता है कि भारत को अब और ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है।

भारत-चीन संबंधों के बीच सबसे बड़ी विडंबना शीर्ष नेताओं के दौरे के दौरान या दौरे के आसपास ही शुरू होती है। आमतौर पर जब भी किसी दो देशों के बीच शीर्ष स्तर पर यात्रा की कोई योजना बनती है तो दोनों ही देश, इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि यात्रा से पहले और यात्रा के दौरान तो कम से कम कहीं कोई तनाव न पैदा हो। लेकिन चीन इसके बिल्कुल उल्टा करता है। चीन का इतिहास यह बताता है कि भारत की तरफ से संबंध सुधारने के लिए जब भी शीर्ष स्तर पर कोई नेता चीन जाता है या फिर भारत के निमंत्रण पर जब भी चीन से कोई शीर्ष नेता भारत आता है तो अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति और राजनयिक शिष्टाचार को पूरी तरह से धत्ता बताते हुए चीन की सेना सीमा पर खुराफात शुरू कर देती है। एक तरफ शीर्ष स्तर पर बातचीत, शांति और व्यापारिक संबंधों के ढोल बज रहे होते हैं तो वहीं दूसरी तरफ चीन की सेना भारत के क्षेत्र में जबरदस्ती घुसपैठ करने और भारतीय सेना से लड़ती-भिड़ती नजर आती है। आपको बता दें कि, चीन की सेना पाकिस्तानी सेना की तरह बेलगाम नहीं है यानी चीन की सेना जो कुछ भी करती है वह राष्ट्रपति की मंजूरी से ही करती है।

वैसे तो शीर्ष स्तर पर यात्राओं के दौरान चीन की इस तरह की हरकतों का लंबा इतिहास रहा है। लेकिन आपके सामने कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं को उदाहरण के तौर पर रख देते हैं।

वर्ष 2003 में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की चीन यात्रा के दौरान ही चीनी सेना की एक टुकड़ी ने अरुणाचल प्रदेश के अपर सुबनसिरी जिले के असफीला इलाके में छअउ पार करके भारतीय सीमा में न केवल घुसपैठ किया था बल्कि भारतीय सैनिकों की एक छोटी सी टुकड़ी से उनके हथियार तक छीन लिए थे। चीनी सेना ने इससे भी बड़ी नापाक हरकत वर्ष 2013 में अपने ही प्रधानमंत्री ली केकियांग के भारत दौरे से पहले की थी। मनमोहन सिंह सरकार के दौरान वर्ष 2013 में चीनी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा से पहले ढछअ यानी चीनी सेना पूर्वी लद्दाख (भारतीय क्षेत्र) में 19 किलोमीटर तक न केवल अंदर घुस आई थी बल्कि वहां तंबू लगाकर कब्जा भी कर लिया था। दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने आ गई थी और लगभग 20 दिनों तक यह गतिरोध बना रहा था।

नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद वर्ष 2014 में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत यात्रा पर आएं। जिनपिंग के भारत पहुंचने से महज कुछ घंटे पहले ही चीन की सेना ने लद्दाख में घुसपैठ कर, अवैध तरीके से सड़क बनाना शुरू कर दिया। यहां भी दोनों देशों की सेनाएं लगभग दो सप्ताह तक आमने-सामने खड़ी रहीं। इस तरह के अनगिनत उदाहरण भरे पड़े हैं जब भारत और चीन के शीर्ष नेता बातचीत कर रहे थे या बातचीत करने की तैयारी कर रहे थे, ठीक उसी समय चीन की सेना नापाक हरकतें कर रही थी।

ऐसे में बड़ा सवाल तो यही खड़ा हो रहा है कि क्या चीन सितंबर के महीने में बॉर्डर पर फिर से कोई बड़ी खुराफात करने की योजना तो नहीं बना रहा है ? यह सवाल इसलिए खड़ा हो रहा है क्योंकि भारत में 12-13 सितंबर को 18वां ब्रिक्स सम्मेलन होने जा रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसमें शामिल होने के लिए भारत आएंगे। चीन के राष्ट्रपति के भी इस सम्मेलन में आने की तैयारियां चल रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत के विदेश मंत्रालय के सूत्र यह बता रहे हैं कि जिनपिंग के दौरे की अभी आधिकारिक तौर पर औपचारिक सूचना भले ही न मिली हो लेकिन एडवांस टीमों के दौरे और बाकी तैयारियों से यह लग रहा है कि वह भारत आ सकते हैं।

अगर ऐसा है तो भारत और चीन की सीमा पर चौकसी को और ज्यादा बढ़ाने का समय आ गया है। बॉर्डर से लगती भारत की हर चौकी पर सेना को पूरी ताकत और साजो-सामान के साथ तैनात करना पड़ेगा। वहां पर संचार के साधन और बिजली की उपलब्धता को हर हाल में सुनिश्चित करने वाली व्यवस्था करनी होगी। रिजर्व फौज को भी तैयार रखना होगा ताकि आपात स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाई जा सके। दोनों देशों के बीच सीमा पर हथियार नहीं चलाने का समझौता हो रखा है तो ऐसे में जाहिर तौर पर लड़ने के लिए अलग तरह की तैयारियां तो करनी ही पड़ेगी। इस तरह के हालात में सैन्य साजो-सामान, हथियार, बेहतर संचार के साधन, 24 घंटे बिजली की उपलब्धता, बेहतर सड़क और खाने-पीने के सामानों की भरपूर उपलब्धता के साथ ही बड़ी-बड़ी नुकीले कील लगे डंडे की भी जरूरत पड़ती है। सबसे जरूरी बात यह है कि नई दिल्ली की तरफ से इनके पास स्पष्ट ऑर्डर होना चाहिए कि चीनी सेना की नापाक हरकतों का जवाब कैसे और किस हद तक जाकर देना है।

कश्मीर पर अमेरिकी सुर बदलेः भारत का कद बढ़ा, पाक बेचैन

ललित गर्ग

गोर का बयान इसलिए भारत के लिए एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का 19 अगस्त 2026 को श्रीनगर में दिया गया यह बयान कि जम्मू-कश्मीर 'भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा' है, सामान्य कूटनीतिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज करने योग्य नहीं है। यह ऐसे समय आया है जब कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की धारणाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार नए समीकरण बन रहे हैं। गोर ने जम्मू-कश्मीर की निरन्तर सुधर रही सुरक्षा स्थिति की बात कही और अमेरिकी यात्रा संबंधी परामर्श पर पुनर्विचार के संकेत भी दिए। पाकिस्तान ने इस बयान पर अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को तलब कर तीखा विरोध दर्ज कराया। इस पूरे घटनाक्रम को केवल कश्मीर के संदर्भ में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारत-अमेरिका संबंधों में आ रहे व्यापक परिवर्तन, दक्षिण एशिया की बदलती सामरिक संरचना और पाकिस्तान की घटती कूटनीतिक प्रभावशीलता के संदर्भ में समझना अधिक उचित होगा।

अमेरिका की कश्मीर नीति में लंबे समय से एक प्रकार की सावधानी रही है। वाशिंगटन सामान्यतः भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद तथा शांतिपूर्ण समाधान की बात करता रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की पूर्व घोषित नीति भी जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति और राजनीतिक-आर्थिक स्थिरता की वापसी का समर्थन करती रही है। इसलिए गोर का श्रीनगर में जाकर जम्मू-कश्मीर को भारत का 'महत्वपूर्ण हिस्सा' कहना निश्चित रूप से भाषा के स्तर पर एक उल्लेखनीय परिवर्तन है। लेकिन इसे अमेरिका की पूरी कश्मीर नीति में तत्काल और औपचारिक परिवर्तन मानना भी जल्दबाजी होगी। किसी राजदूत का बयान और किसी सरकार की औपचारिक नीति में अंतर होता है। फिर भी कूटनीति में शब्दों का अपना महत्व होता है। विशेष रूप से तब, जब वही शब्द उस भूभाग में बोले जाएं जिसे पाकिस्तान दशकों से अंतरराष्ट्रीय विवाद के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। इस दृष्टि से गोर का बयान भारत के लिए मनोवैज्ञानिक और कूटनीतिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण है। इस बयान का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष जम्मू-कश्मीर की बदलती जमीन से जुड़ा है। गोर ने सुरक्षा व्यवस्था में सुधार का उल्लेख करते हुए यात्रा संबंधी अमेरिकी परामर्श में कमी लाने की संभावना जताई है। इसका अर्थ यह है कि वाशिंगटन अब कश्मीर को केवल सुरक्षा संकट या आतंकवाद की दृष्टि से देखने के बजाय पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और सामान्य जनजीवन की संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में भी देख रहा है। यहीं से भारत-अमेरिका संबंधों की नई रोशनी दिखाई देती है। दोनों देशों के संबंध

अब केवल व्यापार या रक्षा तक सीमित नहीं हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, आपूर्ति-शृंखला और वैश्विक शक्ति-संतुलन जैसे विषयों ने भारत को अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है। हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार और शुल्क जैसे मुद्दों पर मतभेद भी मौजूद हैं, फिर भी व्यापक सामरिक साझेदारी अपनी उपयोगिता बनाए हुए है। हाल में अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा का उद्देश्य भी तनावों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करना और व्यापार तथा ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाना था।

इसलिए कश्मीर पर अमेरिकी भाषा को भारत-अमेरिका संबंधों के व्यापक पुनर्संतुलन का हिस्सा मानना अधिक तार्किक होगा। अमेरिका के लिए भारत अब केवल दक्षिण एशिया का एक बड़ा देश नहीं, बल्कि एशिया में शक्ति-संतुलन का प्रमुख आधार है। भारत के लिए भी अमेरिका महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक शक्ति के साथ पूर्ण निर्भरता के बजाय रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रखा है। यही कारण है कि भारत अमेरिका के साथ साझेदारी बढ़ाते हुए रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया और अन्य शक्तियों के साथ भी अपने संबंध बनाए रखता है। कश्मीर के संदर्भ में यह घटनाक्रम पाकिस्तान के लिए निश्चित रूप से असहज करने वाला है। इस्लामाबाद ने गोर के बयान को अस्वीकार करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर एक विवादित क्षेत्र है और उसका अंतिम निर्धारण होना बाकी है। पाकिस्तान ने इसे अमेरिका की पूर्व स्थिति से विचलन बताते हुए औपचारिक विरोध दर्ज कराया।

पाकिस्तान की समस्या यह है कि वह कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विदेश नीति का केंद्रीय विषय बनाए रखना चाहता है, जबकि विश्व राजनीति की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं। आतंकवाद, आर्थिक स्थिरता, चीन का बढ़ता प्रभाव, पश्चिम एशिया का संकट, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति-शृंखलाएं आज बड़ी शक्तियों की चिंता के केंद्र में हैं। ऐसे वातावरण में केवल कश्मीर के प्रश्न को बार-बार अंतरराष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तानी कोशिशों की प्रभावशीलता सीमित होती जा रही है। भारत ने दूसरी ओर लगातार यह रेखांकित किया है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े विषय भारत की संप्रभुता और द्विपक्षीय संबंधों के दायरे में आते हैं। गोर का श्रीनगर दौरा स्वयं इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि एक प्रमुख अमेरिकी राजनयिक ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा की, वहां के निर्वाचित नेतृत्व से मुलाकात की और क्षेत्र की सुरक्षा तथा आर्थिक संभावनाओं पर सकारात्मक टिप्पणी की। यह पाकिस्तान की उस कोशिश के विपरीत है जिसमें वह कश्मीर को केवल विवाद और अस्थिरता के चश्मे से प्रस्तुत करना चाहता है।

फिर भी भारत को इस बयान से अत्यधिक उत्साहित होकर यह मान लेने से बचना चाहिए कि अमेरिका ने कश्मीर पर अपनी संपूर्ण नीति बदल दी है। अमेरिका की विदेश नीति परिस्थितियों के अनुसार बदलती रहती है और वह भारत तथा पाकिस्तान दोनों के साथ अपने हितों को संतुलित करने की कोशिश करता है। आज भी वाशिंगटन के लिए पाकिस्तान आतंकवाद-रोध, क्षेत्रीय सुरक्षा और अफगानिस्तान सहित कुछ विषयों में उपयोगी साझेदार है। अतः भारत के लिए इस बयान का वास्तविक महत्व किसी औपचारिक अमेरिकी नीति-परिवर्तन से अधिक उस कूटनीतिक वातावरण में है, जिसमें भारत की स्थिति को पहले की तुलना में अधिक गंभीरता से लिया जा रहा है।

यहां एक और महत्वपूर्ण बात है। कूटनीति में किसी देश का महत्व केवल इस बात से तय नहीं होता कि कितने देश उसके पक्ष में बयान दे रहे हैं, बल्कि इससे तय होता है कि वैश्विक शक्तियों के हित उसके साथ कितने गहरे जुड़े हैं। आज भारत की आर्थिक क्षमता, विशाल बाजार, तकनीकी सामर्थ्य, लोकतांत्रिक संस्थाएं, युवा शक्ति और सामरिक स्थिति उसे विश्व व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बनाती हैं। इसी बदलती वास्तविकता का प्रभाव कश्मीर पर भी दिखाई देना स्वाभाविक है।

गोर का बयान इसलिए भारत के लिए एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है। अंततः कश्मीर की स्थायी शांति केवल अंतरराष्ट्रीय बयानों से नहीं, बल्कि लोकतंत्र, विकास, सुरक्षा, जनभागीदारी और सीमा-पार आतंकवाद के अंत से सुनिश्चित होगी। भारत को इस नए कूटनीतिक वातावरण का उपयोग आक्रामक प्रचार के बजाय जिम्मेदार और आत्मविश्वासी राष्ट्र की तरह करना चाहिए। सर्जियो गोर का बयान इस बदलती तस्वीर की एक महत्वपूर्ण झलक है-जहां कश्मीर को लेकर भारत की स्थिति पहले की अपेक्षा अधिक स्पष्ट अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता प्राप्त करती दिखाई दे रही है और पाकिस्तान की कूटनीतिक चुनौती पहले से अधिक कठिन होती जा रही है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के अलास्का में चार्टर विमान हुआ क्रैश, दो पायलटों समेत आठ की मौत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के अलास्का में हुए एक बड़े विमान हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई है। पश्चिमी अलास्का में चार्टर विमान क्रैश हो गया और उसमें सवार दो पायलटों समेत कुल आठ लोगों की मौत हो गई। अमेरिका की सेना ने सभी आठों लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। एक संघीय अधिकारी ने बताया कि विमान उड़ान भरने के बाद पश्चिमी अलास्का के रिमोट इलाके में रडार से गायब हो गया था। अधिकारियों ने बताया कि चार्टर विमान ने एंकरेज इलाके से उड़ान भरी थी और गुरुवार दोपहर में वह केप न्यूनहैम इलाके में रडार से गायब हो गया। इसके बाद राहत और बचाव दल विमान की तलाश में जुटा। अब अमेरिकी सेना ने विमान के क्रैश होने की पुष्टि कर दी है और बताया कि विमान में सवार सभी लोगों की मौत हो गई है। अमेरिकी सेना ने बयान जारी कर मृतकों के प्रति संवेदना जाहिर की है।

टेक दिग्गज अपने बच्चों को सोशल मीडिया से क्यों रखते हैं दूर, दूसरों पर क्या हो रहा असर

वाशिंगटन, एजेंसी। सोशल मीडिया और डिजिटल तकनीक ने हमारी जिंदगी को आसान और तेज बनाया है। लेकिन इस तकनीक की दुनिया के बड़े नाम अपने बच्चों के मामले में इसके इस्तेमाल को सीमित रखने की कोशिश करते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जिन लोगों ने डिजिटल दुनिया को इतना बड़ा बनाया, वे अपने बच्चों को इससे क्यों दूर रखना चाहते हैं क्या सोशल मीडिया बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार को प्रभावित कर रहा है विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े क्या कहते हैं दुनिया के कई देश बच्चों के लिए सोशल मीडिया की उम्र सीमा तय करने की ओर क्यों बढ़ रहे हैं इन प्लेटफॉर्मस पर कब-कब ऐसे मामले देखने को मिले हैं भारत इस दिशा में क्या कर रहा है मेटा के प्रमुख मार्क जुकरबर्ग ने कहा था कि वह नहीं चाहते कि उनके बच्चे लंबे समय तक टीवी या कंप्यूटर के सामने बैठे रहें। उनके अनुसार लोगों के साथ बातचीत करना अच्छी बात है, लेकिन लगातार एक वीडियो से दूसरे वीडियो पर जाना उतना सकारात्मक नहीं है।

ईरान के ड्रोन हमलों के बीच अमेरिका का बड़ा फैसला, क्यों बंद की यूरोप की अहम यूनिट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने यूरोप में ड्रोन युद्ध की तकनीक पर काम कर रही अपनी एक विशेष यूनिट को बंद करने का फैसला किया है। यह यूनिट पिछले करीब एक साल से ड्रोन बनाने, उनका इस्तेमाल करने और युद्ध के दौरान ड्रोन से लड़ने की रणनीति पर प्रयोग कर रही थी। अब इसे दोबारा एक पारंपरिक एयरबोर्न इन्फैंट्री बटालियन के रूप में काम करने का निर्देश दिया गया है। यह यूनिट इटली और जर्मनी में तैनात 173वीं एयरबोर्न ब्रिगेड का हिस्सा है। पिछले साल नवंबर में करीब 600 सैनिकों की एक बटालियन को विशेष रूप से ड्रोन युद्ध के लिए तैयार किया गया था। इसका उद्देश्य ऐसी तकनीक और रणनीति विकसित करना था, जिसे जरूरत पड़ने पर किसी भी युद्ध क्षेत्र में इस्तेमाल किया जा सके। अमेरिकी सेना ने यूक्रेन और रूस के बीच लंबे समय से चल रहे युद्ध में ड्रोन के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल से सीख लेने के लिए यह प्रयोग शुरू किया था। यूक्रेन ने युद्ध में कम लागत वाले ड्रोन, खासकर ड्रोन, का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया है। 173वीं एयरबोर्न ब्रिगेड के सैनिक इटली में एक विशेष ड्रोन लैब में अपने हमलावर ड्रोन भी तैयार कर रहे थे। सेना के मुताबिक, सैनिक ड्रोन के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऐसे ड्रोन विकसित करने पर भी काम कर रहे थे, जिन्हें दुश्मन की जैमिंग तकनीक से बचाया जा सके। अमेरिकी सेना के अधिकारियों के मुताबिक, विशेष ड्रोन यूनिट इस महीने और अगले महीने जर्मनी में होने वाले दो बड़े सैन्य अभ्यासों के बाद अपना प्रयोगात्मक काम पूरा करेगी। इसके बाद यूनिट की ओर से पिछले एक साल में हासिल की गई जानकारी और अनुभव सेना को सौंपा जाएगा। सेना का कहना है कि इन अनुभवों का इस्तेमाल भविष्य में सैनिकों की तैनाती, सैन्य ढांचे और ड्रोन से जुड़ी नई तकनीक के विकास की योजना बनाने में किया जाएगा। इस फैसले की खास बात यह है कि अमेरिकी सेना के लिए ड्रोन युद्ध का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ईरान के साथ युद्ध के दौरान ईरान ने कम लागत वाले शाहेद ड्रोन का इस्तेमाल अमेरिकी जहाजों और सैन्य ठिकानों के खिलाफ किया। इन हमलों में अमेरिकी सैनिकों के मारे जाने, एक सेना के हेलिकॉप्टर के गिरने और महंगे इंटरसेप्टर मिसाइलों के इस्तेमाल की बात सामने आई है।

न्यूयॉर्क कैपिटल-टाइम्स स्[ायर उड़ाने की थी साजिश: यूएस ने नाकाम किया आईएसआईएस का बड़ा हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अधिकारियों ने अल्बानी स्थित न्यूयॉर्क कैपिटल पर कथित बम हमले की साजिश को नाकाम करते हुए 35 वर्षीय जेसिका बोवी को गिरफ्तार किया है। संघीय जांच ब्यूरो के अनुसार, वह आईएसआईएस के प्रति समर्थन जता चुकी थी, हमले के लिए सरकारी इमारतों की रेकी कर चुकी थी और विस्फोटक को भोजन पहुंचाने की सेवा के जरिए अंदर पहुंचाने की योजना बना रही थी। अधिकारियों ने बताया कि उसे एक निष्क्रिय विस्फोटक और नकली बंदूक दिए जाने के बाद न्यूयॉर्क कैपिटल के पास गिरफ्तार किया गया।

आतंकी संगठन को मदद देने की कोशिश का आरोप : बोवी को गुरुवार को गिरफ्तार किए जाने के बाद विदेशी आतंकवादी संगठन को मदद पहुंचाने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उसे न्यूयॉर्क की राजधानी अल्बानी की संघीय अदालत में पेश किया गया, जहां एक संघीय मजिस्ट्रेट ने उसे हिरासत में भेज दिया। उसके खिलाफ दायर शिकायत में संघीय जांच ब्यूरो ने कहा है कि करीब पांच साल पहले इस्लाम धर्म अपनाने के बाद बोवी ने कुनिया यानी सम्मानसूचक इस्लामी नाम आयशा सैफ अपना लिया था। सामाजिक माध्यमों पर उसने 2001 में अल-कायदा के आतंकवादियों द्वारा किए गए 9/11 हमलों के समर्थन में पोस्ट किए थे।

सामाजिक माध्यमों पर अमेरिका विरोधी बयान : संघीय जांच ब्यूरो के अनुसार, बोवी ने कई अन्य अमेरिका विरोधी टिप्पणियां भी की थीं और आतंकवादी संगठनों के प्रति समर्थन जताया था। एक संघीय जांच ब्यूरो के मुखबिर ने उससे संपर्क किया। अदालत में दाखिल शिकायत के अनुसार, बातचीत के दौरान बोवी ने आतंकवादी हमला करने में रुचि दिखाई। उसने कथित तौर पर मुखबिर से कहा, काफिरों का दिमाग उड़ा देना खूबसूरत है।

आईएसआईएस प्रमुख के प्रति निष्ठा की शपथ का दावा : शिकायत के मुताबिक, अपनी प्रतिबद्धता साबित करने के लिए बोवी ने विश्वासियों के कमांडर और मुसलमानों के खलीफा, मुजाहिद शेख अबू हाफा अल-हाशिमी अल-कुरैशी के प्रति पारंपरिक इस्लामी निष्ठा की शपथ यानी बयाह पूरी कर ली है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, वह इस्लामिक स्टेट आतंकी संगठन का प्रमुख है।

अल्बानी में सरकारी इमारतों की रेकी : संघीय जांच ब्यूरो की शिकायत के अनुसार, बोवी ने अल्बानी में कई इमारतों की रेकी की। इनमें गवर्नर का कार्यालय भी शामिल था। बाद में उसने न्यूयॉर्क कैपिटल को निशाना बनाने का फैसला किया, जहां राज्य की विधायिका का कामकाज होता है। मुखबिर ने उसकी मुलाकात दो अन्य मुखबिरों से कराई। इन दोनों ने बोवी के समर्थक होने का दिखावा किया और उसकी योजना में मदद करने की पेशकश की।

जितना संभव हो सके उतना नुकसान पहुंचाने की योजना : शिकायत में आरोप लगाया गया है कि बोवी ने दोनों से कहा कि वह इमारत को जितना संभव हो सके उतना नष्ट करना और बैठक के दौरान राज्य के सीनेटरों को मारना चाहती है। उसने कहा कि जिस जोखिम का वह सामना कर रही थी, उसके बदले वह केवल एक या दो लोगों को मारना नहीं चाहती, बल्कि इससे कहीं अधिक बड़ा नुकसान करना चाहती है। संघीय जांच ब्यूरो के विशेष एजेंट क्रेग ट्रेमारोली ने पत्रकारों से कहा कि बोवी सिर्फ सांसदों को मारना नहीं चाहती थी, बल्कि वह हमारी सरकार के विनाश की मंशा रखती थी।

टाइम्स स्क्वायर और व्हाइट हाउस भी निशाने पर : अदालत में दाखिल शिकायत के अनुसार, बोवी ने हमले के बाद भाग निकलने और देश से बाहर जाने के लिए विमान पकड़ने की इच्छा जताई थी, हालांकि उसे खुद भी यकीन नहीं था कि वह ऐसा कर पाएगी। उसने धमकी दी थी कि वह वापस लौटकर और हमले करेगी। इनमें नए साल की पूर्व संध्या पर टाइम्स स्क्वायर में हमला भी शामिल था। शिकायत के अनुसार, वह व्हाइट हाउस को भी निशाना बनाना चाहती थी, लेकिन उसका मानना था कि वहां हमला करना अधिक मुश्किल होगा।

भोजन पहुंचाने वाले थैले में विस्फोटक पहुंचाने की योजना : हमले की कथित योजना के तहत बोवी ने कहा था कि विस्फोटक को खाने की डिलीवरी के सामान के रूप में अंदर पहुंचाया जाएगा। इसके लिए उसने एक भोजन पहुंचाने वाली सेवा से थैला भी हासिल किया था। संघीय जांच ब्यूरो के मुताबिक, जब उसने वह सामग्री खरीद ली।

47 परिवारों को 500 करोड़ रुपये देगा हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, मुर्दाघर प्रबंधक ने बेच दिए थे शवों के अंग

बोस्टन, एजेंसी। अमेरिका के प्रतिष्ठित हार्वर्ड मेडिकल स्कूल ने उन परिवारों को 5.3 करोड़ डॉलर (करीब 500 करोड़ रुपये) देने पर सहमति जताई है, जिनके परिजनों के शवों के अंग चोरी कर काले बाजार में बेचे गए थे। यह मामला स्कूल के पूर्व मुर्दाघर प्रबंधक सेड्रिक लॉज से जुड़ा है। अदालत की मंजूरी मिलने के बाद दो अलग-अलग सामूहिक मुकदमों के निपटारे के लिए यह रकम दी जाएगी। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के डीन जॉर्ज क्यू. डेली और बर्नार्ड एस. चांग ने एक पत्र में लॉज की करतूत को बेहद घृणित और मेडिकल समुदाय के मूल्यों के साथ विश्वासघात बताया। उन्होंने प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना भी जताई।

47 परिवारों ने किया था मुकदमा : इस मामले में उन 47 लोगों के परिजनों ने मुकदमा दायर किया, जिन्होंने मेडिकल रिसर्च और पढ़ाई के लिए अपने शरीर दान किए थे। हार्वर्ड का कहना है कि वह यह निश्चित तौर पर नहीं बता सकता कि लॉज ने किन-किन दानदाताओं के शवों से अंग निकाले थे। स्कूल ने 2018 से मार्च 2023 के बीच दान किए गए शवों के रिकॉर्ड और संघीय जांच से मिली जानकारी की समीक्षा की। इसी आधार पर संभावित रूप से प्रभावित दानदाताओं की पहचान करने की कोशिश की गई।

दिमाग से लेकर हाथ और चेहरे तक बेचे : लॉज को 2023 में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, वह शवों के अंग चोरी कर उन्हें दूसरे राज्यों में खरीदारों तक पहुंचाने वाले एक भयावह नेटवर्क के केंद्र में था। उसने शवों से दिमाग, त्वचा, हाथ और चेहरे तक निकालकर बेच दिए। एक मामले में उसने एक खरीदार को मानव त्वचा दी थी, जिसका इस्तेमाल चमड़ा बनाकर एक किताब की जिल्द तैयार करने में किया जाना था। अभियोजक ने इसे बेहद भयावह घटना बताया था। लॉज ने अदालत में स्वीकार किया था कि वह शवों को अंतिम संस्कार के लिए भेजे जाने से पहले उनके अंग निकालता था। हार्वर्ड ने स्पष्ट किया है कि उसने यह काम संस्थान की जानकारी या अनुमति के बिना किया। सेड्रिक लॉज को पिछले साल आठ साल जेल की सजा सुनाई गई थी। उसकी पत्नी डेनिस लॉज को भी इस मामले में मदद करने के लिए एक साल से कुछ अधिक समय की जेल हुई। इसके अलावा लॉज से शवों के अंग खरीदने वाले छह अन्य लोगों ने भी अपना अपराध स्वीकार किया और उन्हें सजा सुनाई गई। समझौते के तहत हार्वर्ड प्रभावित परिवारों को भुगतान करने के साथ-साथ एक आधिकारिक बयान भी देगा, जिसमें लॉज के कृत्य की निंदा की जाएगी और मेडिकल स्कूल के शव दान कार्यक्रम में किए गए सुधारों की जानकारी दी जाएगी।

नूर खान एयरबेस पर दिखा तुर्किये का सैन्य विमान, ऑपरेशन सिंदूर के बाद फिर क्यों बढ़ी हलचल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और तुर्किये के बीच रक्षा सहयोग को लेकर एक नई हलचल सामने आई है। मक्का रक्षा समझौते के बाद तुर्किये वायुसेना का एक सैन्य परिवहन विमान पाकिस्तान के रावलपिंडी स्थित नूर खान एयरबेस पहुंचा। विमान 18 अगस्त को वहां पहुंचने और लौटने के दौरान दर्ज किया गया। इसी एयरबेस को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय कार्रवाई में निशाना बनाया गया था।

इस घटनाक्रम के बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पाकिस्तान में तुर्किये की सैन्य गतिविधियों पर नजर रख रही हैं। एविएशन हिस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार तुर्किये वायुसेना का एयरबस ए-400एम एटलस विमान 18 अगस्त को नूर खान एयरबेस पहुंचा और वहां से वापस लौटा। विमान का कॉलसाइन टीयूएएफ526 बताया गया है। रक्षा सूत्रों के अनुसार, तुर्किये की ओर से उन्नत ड्रोन, हथियार और अन्य सैन्य साजो-सामान पाकिस्तान पहुंचाए जाने की आशंका है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में इस विमान के जरिए भेजे गए सामान की पूरी सूची सामने नहीं आई है। भारतीय एजेंसियां इस गतिविधि को गंभीरता से देख रही हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी तुर्किये की ओर से पाकिस्तान को सैन्य साजो-सामान दिए जाने की बात सामने आई थी। मई 2025 में पाकिस्तान ने तुर्किये मूल के असिसगार्ड सोंगर और यिहा-3 ड्रोन का इस्तेमाल किया था, जिन्हें भारतीय कार्रवाई में नष्ट किया गया था। पाकिस्तान अपनी सैन्य क्षमता को चीन के साथ-साथ तुर्किये के तेजी से विकसित हो रहे रक्षा उद्योग और मानवरहित प्रणालियों से भी जोड़ रहा है। इससे दोनों देशों के रक्षा संबंध भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाते हैं। पाकिस्तान और तुर्किये के बीच ड्रोन तकनीक को लेकर सहयोग पहले भी सामने आता रहा है। मई में पाकिस्तानी वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्दू ने तुर्किये में बायकर के चेयरमैन सेल्चुक बेराक्तार से मुलाकात की थी। बायकर बायराक्तार टीबी-2, अकिन्जी और केजिलेलेमा जैसे मानवरहित युद्धक विमान विकसित करने वाली कंपनी है।

दो हफ्ते में परमाणु बम बना लेता ईरान, ट्रंप का तेहरान हमलों पर बड़ा दावा, होर्मुज पर कब्जे को लेकर क्या कहा

वॉशिंगट, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान से जुड़े रणनीतिक जलमार्गों पर लगभग नियंत्रण कर रहा है और जल्द ही वहां पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

ट्रंप ने कहा, जब हमने बी-2 बमवर्षकों से उन पर हमला किया, तब वे परमाणु हथियार हासिल करने से ठीक दो सप्ताह दूर थे। यही वजह थी कि मुझे ऐसा करना पड़ा। ट्रंप ने अपने पूर्व निजी वकील माइकल कोहेन के साथ एक साक्षात्कार में ईरान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई का बचाव किया। उन्होंने यह भी माना कि इस संघर्ष के कारण अमेरिकी लोगों को पेट्रोल और ऊर्जा की अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। ईरान के साथ अमेरिका का समझौता करना क्यों हुआ मुश्किल 77 डब्ल्यूएबीसी रेडियो पर प्रसारित साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा, अब ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा। हम जलडमरूमध्य पर नियंत्रण कर रहे हैं और जल्द ही पूरा नियंत्रण कर लेंगे। हम ईरान के साथ बहुत अच्छा कर रहे हैं। बुधवार को जारी साक्षात्कार के इस हिस्से में ट्रंप ने जलमार्गों का नाम नहीं बताया। उन्होंने कहा कि ईरान की नौसेना, वायुसेना और नेतृत्व को गंभीर नुकसान पहुंचा है, जिससे बातचीत के जरिए समझौता करना मुश्किल हो गया है। ट्रंप ने कहा, समस्या का एक हिस्सा यह है कि बहुत से नेता चले गए हैं। समझौता करना आसान नहीं है। कोई नहीं जानता कि नेतृत्व कौन कर रहा है। अमेरिका में बढ़ती ऊर्जा कीमतों पर क्या बोले ट्रंप उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए अमेरिकी उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। राष्ट्रपति ने कहा, और मैं उनसे कहता हूं कि आपकी ऊर्जा की लागत थोड़ी अधिक होगी, पेट्रोल की कीमत भी थोड़ी अधिक होगी। लेकिन हमें मध्य पूर्व का सफर तय करना होगा, क्योंकि हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दे सकते। उन्होंने दावा किया कि ईरान को सैन्य रूप से पूरी तरह तबाह कर दिया गया है और उसकी मिसाइलों तथा ड्रोन बनाने की क्षमता काफी कम हो गई है। उन्होंने बढ़ती महंगाई, कमजोर मुद्रा और सैन्यकर्मियों को वेतन नहीं मिलने का भी जिक्र किया और इन्हें तेहरान पर बढ़ते दबाव का संकेत बताया। उन्होंने कहा, मैंने ऐसा क्यों किया, और हमारे पास कोई विकल्प नहीं था, मैं इसे फिर से सौ बार करता, वे परमाणु हथियार नहीं रख सकते और उनके पास परमाणु हथियार नहीं होगा। ट्रंप ने ईरान के परमाणु ठिकानों के खिलाफ बी-2 बमवर्षक विमानों के इस्तेमाल का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान देर रात चलाया गया और हर बम अपने लक्ष्य पर गिरा। उन्होंने कहा, जब हमने बी-2 बमवर्षकों से उन पर हमला किया, तब वे परमाणु हथियार हासिल करने से ठीक दो सप्ताह दूर थे। और यही वजह थी कि मुझे ऐसा करना पड़ा, क्योंकि आप उन्हें इस तरह का हथियार रखने की अनुमति नहीं दे सकते।

अमेरिका का कर्ज 40 खरब डॉलर के पार: ट्रंप की नीतियों से कितना बढ़ा, ईरान युद्ध और टैक्स कटौती कितनी जिम्मेदार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका का कुल राष्ट्रीय कर्ज बुधवार को 40 खरब डॉलर के पार पहुंच गया। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल अमेरिका के लिए यह सिर्फ आर्थिक आंकड़ा नहीं है, बल्कि बढ़ते वित्तीय दबाव का संकेत भी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय कर्ज खत्म करने का वादा किया था, लेकिन कर्ज लगातार बढ़ता गया। अब उनके दूसरे कार्यकाल में यह उस समय के मुकाबले करीब दोगुना हो चुका है। बढ़ते कर्ज ने अमेरिकी सरकार के सामने खर्च और आय के बीच संतुलन बनाने की चुनौती बढ़ा दी है। अमेरिकी कर्ज बढ़ने के पीछे कई पुराने और नए कारण हैं। इनमें लंबे

समय से जारी भारी सैन्य खर्च, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर बढ़ता खर्च शामिल है। इसके अलावा 2025 में लागू टैक्स कटौतियों से सरकारी राजस्व पर भी दबाव पड़ा। ईरान युद्ध और उससे जुड़े सैन्य अभियानों ने इस बोझ को और बढ़ाया है। दी गई जानकारी के अनुसार, अकेले इस साल अमेरिका को अपनी देनदारियां पूरी करने के लिए दो खरब डॉलर से ज्यादा का कर्ज लेना पड़ रहा है। चिंता की बात यह है कि कुल घाटे का करीब आधा हिस्सा निवेशकों को दिए जाने वाले ब्याज में जा रहा है।

क्या ब्याज का बढ़ता बोझ अमेरिका को कर्ज के जाल में फंसा रहा : बढ़ते कर्ज के साथ उसका ब्याज भी सरकार के लिए बड़ी समस्या बनता जा रहा है। पुराने कर्ज पर निवेशकों को ब्याज देना पड़ता है और कर्ज बढ़ने के साथ यह खर्च भी बढ़ता जाता है। इससे सरकार के पास दूसरे जरूरी कामों के लिए उपलब्ध पैसा सीमित हो सकता है। दी गई जानकारी के मुताबिक, कमेटी फॉर ए रिस्पांसिबल फेडरल बजट के वरिष्ठ नीति निदेशक मार्क गोल्डवेन ने चेतावनी दी कि अमेरिका कर्ज के जाल में फंसता नजर आ रहा है। उनके अनुसार, कर्ज कम करने में नीति निर्माताओं की असमर्थता लंबे समय का जोखिम बढ़ा रही है। ट्रंप ने सत्ता में लौटने के बाद सरकारी खर्च कम करने के लिए एलन मस्क के नेतृत्व में सरकारी दक्षता विभाग बनाया था। इसका लक्ष्य सरकारी खर्च में एक खरब डॉलर तक की कटौती करना था। हालांकि, दिए गए विवरण के अनुसार यह विभाग बचत के मामले में अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर सका। स्थिति इसलिए भी कठिन है क्योंकि चुनाव नजदीक आने के कारण सरकार के लिए बड़े और कड़े फैसले लेना राजनीतिक रूप से मुश्किल हो सकता है।

सीरिया में तुर्किये की सैन्य विस्तार योजना पर इस्राइल की चेतावनी, राजदूत बोले- हद पार कर दी गई है

यरुशलम, एजेंसी। अमेरिका में इस्राइल के राजदूत येचिएल लेइटर ने कहा है कि इस्राइल को स्पष्ट खुफिया जानकारी मिली थी कि तुर्किये सीरिया में अपनी सैन्य मौजूदगी का बड़े स्तर पर विस्तार करने की योजना बना रहा है। उन्होंने इसे हद पार करना बताया। द यरूशलम पोस्ट के साथ बातचीत में लेइटर ने कहा, हम तुर्किये या सीरिया में से किसी के साथ तनाव बढ़ाना या युद्ध नहीं चाहते। लेकिन एक हद पार की गई है।

उनकी यह टिप्पणी इस्राइल द्वारा सीरिया में किए गए हवाई हमलों के बाद आई है। इन हमलों की सीरिया और तुर्किये दोनों की सरकारों ने आलोचना की थी। लेइटर ने कहा, यह तुर्किये की ओर से समझौतों का स्पष्ट उल्लंघन माना जा रहा था। जिन लोगों को खुफिया जानकारी दी जानी जरूरी थी, उन्हें वह जानकारी मिल गई। जिन्हें पता होना चाहिए था कि क्या होने वाला है, उन्हें इसकी जानकारी थी। हमने स्पष्ट कर दिया था कि यह हमारे समझौतों का उल्लंघन है और इसी वजह से इस्राइल ने कार्रवाई की।

तुर्किये पर इस्राइल ने लगाए क्या आरोप : लेइटर के मुताबिक, मंगलवार को अलेप्पो के पास सीरिया में अबू अल-दुहूर एयरबेस पर इस्राइल ने जो हमला किया, वह कथित तुर्किये के कदम को लेकर दी गई चेतावनियों पर ध्यान नहीं दिए जाने के बाद किया गया। सीरियाई अधिकारियों ने कहा था कि एयरफील्ड पर कम से कम आठ हमले हुए। बाद में सैटेलाइट तस्वीरों में रनवे को नुकसान पहुंचने की बात सामने आई। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा था, इस्राइल ने संदेश स्पष्ट कर दिया है- ऐसा मत करो। लेइटर ने कहा कि तुर्की का कथित कदम अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के दौरान इस्राइल और सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शरा के प्रशासन के बीच बनी समझ के खिलाफ था। इस समझ के तहत सीरिया में मौजूदा स्थिति को स्थिर रखा गया था।

क्या सीरियाई इलाके पर कब्जा कर रहा तुर्किये : उन्होंने बताया कि जनवरी 2026 में पेरिस में हुई एक बैठक के दौरान भी इन समझों की पुष्टि की गई थी। बैठक में सीरिया के विदेश मंत्री असद अल-शैबानी, अमेरिका के सीरिया मामलों के दूत टॉम बैरक, लेइटर, तत्कालीन राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद प्रमुख गिल रीच और नेतन्याहू के सैन्य सचिव रोमन गोफमैन शामिल हुए थे। गोफमैन अब मोसाद के निदेशक हैं। लेइटर ने कहा, इस रोक का मतलब है कि जिस तरह तुर्क आगे नहीं बढ़ते, उसी तरह हम भी आगे नहीं बढ़ते और वे हमें पीछे हटने के लिए मजबूर नहीं करते। उन्होंने कहा कि इस्राइल सीरिया में सुरक्षा क्षेत्र के तहत केवल 78 वर्ग मील क्षेत्र में मौजूद है, जबकि तुर्की ने पिछले कई वर्षों में उत्तरी सीरिया में 3,500 वर्ग मील क्षेत्र पर धीरे-धीरे कब्जा बढ़ाया है। यह सीरिया के करीब पांच प्रतिशत क्षेत्र के बराबर है। लेइटर ने कहा कि अमेरिका के सीरिया मामलों के दूत और तुर्किये में अमेरिकी राजदूत टॉम बैरक को छोड़कर वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने सीरिया में इस्राइली हमले की निंदा नहीं की। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रशासन की नीति पहले तय की गई स्थिति को बनाए रखने की है और इसी वजह से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी हमले की निंदा नहीं की। तनाव के बावजूद लेइटर ने कहा कि इस्राइल का मानना है।

बॉस, याद है जब मैं आपके साथ था- ट्रंप-कोहेन की दुश्मनी खत्म, रेडियो शो में फिर दिखी 15 साल पुरानी दोस्ती

वाशिंगट, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गुरुवार को अपने पुराने सहयोगी और बाद में कट्टर आलोचक बने माइकल कोहेन के रेडियो शो में शामिल हुए। यह मुलाकात इसलिए बेहद चौंकाने वाली रही, क्योंकि कभी कोहेन ने ट्रंप को चीटो-डस्टेड कार्टून विलेन तक कहा था और अदालत तथा कांग्रेस के सामने उनके खिलाफ गवाही दी थी। लेकिन अब दोनों के बीच रिश्ते फिर से सामान्य होते दिखाई दे रहे हैं। कोहेन ने ट्रंप के गंदे कामों को छिपाने में अपनी भूमिका के लिए जेल की सजा काटी थी। ऐसे में कुछ साल पहले तक इस तरह की सार्वजनिक सुलह की कल्पना करना भी मुश्किल था।

रेडियो शो में दिखी पुरानी दोस्ती की झलक : कोहेन के 77 WABC रेडियो कार्यक्रम पर यह इंटरव्यू गुरुवार शाम प्रसारित हुआ, जबकि इसका पूरा प्रसारण रविवार को होना है। बातचीत का माहौल बेहद दोस्ताना रहा और दोनों ने अपने उतार-चढ़ाव भरे अतीत का केवल हल्के अंदाज में जिक्र किया। ट्रंप ने कोहेन से कहा, उन्होंने तुम्हें एक हथियार की तरह इस्तेमाल किया, जैसा शायद ही किसी और के साथ हुआ हो। उन्होंने आगे कहा,मैं इस बात का सम्मान करता हूं कि तुमने अपनी कही हर बात वापस ले ली। तुमने बहुत बड़ी बात की है।

कोहेन ने मांगी फिर से माफी : रेडियो इंटरव्यू से कुछ समय पहले सीएनएन से बातचीत में कोहेन ने बताया कि उन्होंने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति से माफी के लिए फिर से आवेदन किया है। पिछली सरकार ने उनका आवेदन खारिज कर दिया था, लेकिन इस बार अभी तक उन्हें कोई जवाब नहीं मिला है। कोहेन ने कहा कि शुक्रवार को इस मुद्दे पर फिर बातचीत होने की उम्मीद है। ट्रंप के साथ सुलह ने कोहेन को उन पूर्व सहयोगियों की लंबी सूची में ला खड़ा किया है, जिनके राष्ट्रपति से कभी तीखे मतभेद हुए, लेकिन बाद में रिश्ते फिर सुधर गए। एलन मस्क और फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैंटिस इसके हालिया उदाहरण हैं।

15 साल की दोस्ती फिर आई सामने : कोहेन और ट्रंप का रिश्ता हालांकि

इन सभी मामलों से कहीं ज्यादा व्यक्तिगत रहा है। कभी कोहेन कहा करते थे कि वह राष्ट्रपति के लिए गोली खा सकते हैं। ट्रंप के राजनीतिक सफर के दौरान वह उनके बेहद भरोसेमंद सहयोगियों में शामिल थे। बाद में दोनों के बीच ऐसा टकराव हुआ कि 2024 के आपराधिक हश-मनी मामले में कोहेन की गवाही ट्रंप को दोषी ठहराने में महत्वपूर्ण साबित हुई। उस समय ट्रंप अपनी राजनीतिक वापसी की कोशिश कर रहे थे। कोहेन ने गुरुवार को कहा कि पिछले एक साल में उनकी और राष्ट्रपति की कई बार बातचीत हुई है। उन्होंने अपने फैसले को समझाते हुए कहा,माफ करने का मतलब यह नहीं है कि सब कुछ भूल जाना। इसका मतलब यह भी नहीं है कि जो हुआ, वह हुआ ही नहीं। इसका अर्थ है यह तय करने की हिम्मत रखना कि बीता हुआ कल आने वाले कल को तय नहीं करेगा।

बॉस, याद है जब मैं आपके साथ था : इंटरव्यू के दौरान कोहेन कई बार अपने पुराने दिनों को याद करते नजर आए। एक भावुक क्षण में उन्होंने ट्रंप से कहा, बॉस, याद है जब मैं आपके साथ था इस मुलाकात को खास अंदाज में पेश किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 1975 के बैंड वॉर के गीत व्हाई कांट वी बी फ्रेंड्स से हुई और अंत 1978 के पीचेस एंड हर्ब के मशहूर गीत रीयूनाइटेड एंड इट फील्स सो गुड की पंक्तियों के साथ हुआ।

कभी ट्रंप के खिलाफ बने थे अहम गवाह : न्यूयॉर्क में ट्रंप के खिलाफ चले हश-मनी मुकदमे में कोहेन एक महत्वपूर्ण गवाह थे। 2024 में उन्होंने अदालत में गवाही दी कि 2016 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान ट्रंप ने उन प्रयासों में अहम भूमिका निभाई थी, जिनका उद्देश्य एक एडल्ट फिल्म अभिनेत्री और पूर्व प्लेबॉय मॉडल के उन दावों को दबाना था, जिनमें उन्होंने ट्रंप के साथ यौन संबंध होने की बात कही थी। कोहेन ने गवाही दी थी कि ट्रंप ने उन्हें पहले किए गए भुगतानों की भरपाई का भरोसा दिया था और उन प्रयासों की जानकारी रखते थे। उन्होंने कहा था, मैं जो कुछ भी कर रहा था, वह मिस्टर ट्रंप के कहने पर और उनके फायदे के लिए कर रहा था। दोनों के रिश्ते में निर्णायक दरार 2018 में पड़ी, जब स्र्क्क्ष एजेंटों ने कोहेन के कार्यालय, घर और होटल के कमरे की तलाशी ली। इसके बाद कोहेन ने रूस में ट्रंप टॉवर परियोजना को लेकर कांग्रेस से झूठ बोलने और कैंपेन फंडिंग नियमों के उल्लंघन का अपराध स्वीकार किया। इन मामलों में स्टॉर्मी डेनियल्स और कैरेन मैकडौगल को किए गए भुगतानों का भी जिक्र आया। उन्हें तीन साल की जेल की सजा सुनाई गई। बाद में कोहेन ने कहा कि ट्रंप के खिलाफ गवाही देने के लिए उन पर दबाव डाला गया था।

मालामाल वीकली 2 में महेश मांजरेकर की एंट्री?

'मालामाल वीकली 2' को लेकर इन दिनों काफी हलचल है। फिल्म की स्टारकास्ट लगातार चर्चा में बनी हुई है। इसी बीच चर्चा शुरू हुई की फिल्म की कास्ट से अभिनेता महेश मांजरेकर भी जुड़ चुके हैं।

महेश के लिए खास किरदार, मेकर्स को भी पसंद आया

सूत्रों की माने तो इस फिल्म में महेश के लिए एक मजेदार किरदार है। मेकर्स को लगा कि इस रोल के लिए वह बिल्कुल सही रहेंगे। उन्हें भरोसा है कि महेश इस किरदार के साथ पूरा न्याय करेंगे और उनकी परफॉर्मेंस दर्शकों को पसंद आएगी। इस सीक्वल का ऑफर पाकर महेश भी खुश थे। उन्होंने हामी भी भर दी।

मैं इस बारे में ज्यादा नहीं बताना चाहता

इस बारे में जब महेश से बात की तो उन्होंने कहा, 'देखिए, मैं इस चीज का हिस्सा हो सकता हूं, या शायद नहीं भी...। सच कहूं तो मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताना चाहता।' वहीं 'मालामाल वीकली' के पहले पार्ट के बारे में पूछने पर महेश ने कहा, 'जी हां, मैंने वो देखी है और मुझे वो बहुत अच्छी फिल्म लगी। वह एक मजेदार फिल्म थी। खेर, इससे ज्यादा मैं कुछ नहीं कह सकता।'

रितेश से एल्विश तक, ये सितारे आएंगे नजर

बता दें कि 'मालामाल वीकली 2' की कास्ट को लेकर अब तक सामने आई रिपोर्ट्स में रितेश देशमुख, परेश रावल, राजपाल यादव, एल्विश यादव, रवीना टंडन, परिणीति चोपड़ा, शिल्पा शिरोडकर, फरदीन खान के नाम शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' फेम अमित जोशी करेंगे और इसकी शूटिंग नवंबर से शुरू हो सकती है।

2006 में आई थी 'मालामाल वीकली'

'मालामाल वीकली' 2006 में रिलीज हुई थी। प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी इस कॉमेडी फिल्म में परेश रावल, ओम पुरी, रितेश देशमुख और राजपाल यादव जैसे कलाकार नजर आए थे। गांव, लॉटरी और पैसों के लालच के इर्द-गिर्द घूमती इस कहानी ने अपनी देसी कॉमेडी से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। फिल्म आज भी अपनी कॉमेडी और यादगार किरदारों के लिए जानी जाती है।

ईशा कोप्पिकर ने ट्रोलर्स को लताड़ा

सोशल मीडिया पर साझा किया वीडियो

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने खुद पर 'अंधभक्त' होने के इल्जामों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अगर भारत से प्यार करना अंधभक्ति है तो उन्हें इस टैग पर गर्व है। जानें क्या बोली ईशा? अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर साझा की। उन्होंने कहा कि वह भारत से प्यार करती हैं। इसके साथ ही वह किसी राजनैतिक पार्टी का हिस्सा नहीं हैं। ईशा ने कहा – अगर अपने देश से प्यार करना, भारत पर विश्वास करना और उसकी तरक्की चाहना भक्ति है, तो हां, मुझे अंधभक्त कहिए। मेरी भक्ति किसी राजनीतिक पार्टी के लिए नहीं, बल्कि अपने देश, अपने भारत के लिए है। राष्ट्र सबसे पहले है। इंसान जहां रहता है वह उसी जगह से प्यार और उसका सम्मान करना चाहिए। असली देशभक्ति तब है, जब कोई व्यक्ति अपने काम से देश को बेहतर बनाने की कोशिश करे। इसी सोच को देश के लिए भी बदलने की जरूरत है। हमें इसी तरह सोचना चाहिए।

एक्ट्रेस ने कहा सोच बदलना चाहिए

ईशा ने आगे अपने वीडियो में कहा, 'दोनों के बीच फर्क सिर्फ परिस्थितियों का नहीं, बल्कि सोच का है। इसी सोच को देश के लिए भी बदलने की जरूरत है। हमें हर समय यह पूछने के बजाय कि देश ने हमें क्या दिया, यह सोचना चाहिए कि हम देश को क्या दे सकते हैं। हमें यह विचार करना चाहिए कि अपने काम और सोच के जरिए भारत के लिए क्या बेहतर किया जा सकता है।'

कैप्शन में ट्रोलर्स को जवाब दिया

एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर ने इस वीडियो के साथ कैप्शन में भी लिखा, 'अगर भारत से प्यार करना 'अंधभक्ति' है, तो मैं इस पहचान को गर्व से अपनाती हूं। मुझे जो गलत लगता है, उस पर सवाल उठाती हूं और जो सही लगता है, उसकी तारीफ भी करती हूं। मेरे लिए मेरा देश सबसे ऊपर रहेगा।

ईशा कोप्पिकर का वर्कफ्रंट

साल 2000 में फिल्म 'फिजा' से हिंदी में अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री ईशा हाल ही में फिल्म 'लव यू लोकतंत्र' में नजर आईं। अभय निहलानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कृष्णा अभिषेक, अली असगरी, सपना चौधरी, रवि किशन और मनोज जोशी थे।

क्या अनुराग कश्यप करेंगे तीसरी शादी

अनुराग कश्यप ने साल 1997 में आरती बजाज से शादी की थी, 2009 में इनका तलाक हो गया। फिर निर्देशक ने साल 2011 में अभिनेत्री कल्कि केलकां से शादी की लेकिन साल 2015 में इनका भी तलाक हो गया। अब अनुराग एक शुभ्रा शेट्टी नाम की लड़की के साथ रिलेशनशिप में हैं। क्या वह शुभ्रा से तीसरी शादी करेंगे? जानिए, अनुराग ने क्या इस बारे में क्या प्रतिक्रिया दी।

शादी के सवाल पर क्या था अनुराग का जवाब?

हाल ही में जेनिस सिकेरा के यूट्यूब चैनल पर अनुराग ने अपनी जिंदगी को लेकर लंबी बातचीत की। वह इस बातचीत में अपने शादी के प्लान के बारे में कहते हैं, 'शुभ्रा शादी में यकीन नहीं रखती हैं। मैं भी उनके साथ बहुत खुश हूं। मैं उनके साथ रहना चाहता हूं। इसके लिए जो भी करना पड़े करूंगा। जिंदगी में बहुत कुछ है। एक बूढ़े आदमी की क्या इनसिक्योरिटी हो सकती है? मैं बस इतना सेहतमंद रहना चाहता हूं कि जिन लोगों से मैं प्यार करता हूं, उनसे ज्यादा समय तक जिंदा रहूं।'

एक वक्त शुभ्रा को खुद से दूर करना चाहते थे अनुराग

अनुराग, शुभ्रा के बारे में भी बताते हैं। वह कहते हैं, 'हमने कई पल साथ बिताए हैं। हम कभी-कभी झिझक महसूस करते थे। मैं ज्यादा झिझकता था और सिर्फ ज्यादा झिझकता ही नहीं था, एक समय तो मैं इतना ज्यादा झिझकने लगा था कि शुभ्रा को दूर करने की पूरी कोशिश कर रहा था। अनुराग आगे कहते हैं, 'उनके चेहरे से उनकी उम्र का पता नहीं चलता। वह आज भी वैसी ही दिखती हैं। वह अपनी उम्र की नहीं लगती हैं। तो बात यह है कि जैसे-जैसे मैं बूढ़ा होता गया और वह वैसी ही दिखती रहीं, तब मुझे थोड़ी झिझक होने लगी।' बता दें कि अनुराग कश्यप 53 साल के हैं, जबकि शुभ्रा 32 या 33 साल की हैं।

कौन है शुभ्रा शेट्टी?

शुभ्रा शेट्टी की बात करें तो वह अनुराग कश्यप की प्रोडक्शन कंपनी फैंटम फिल्म्स में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम करती थीं। अनुराग को पहली बार 2015 में शुभ्रा के साथ देखा गया था। 2018 के एक इंटरव्यू में ही अनुराग ने पहली बार माना था कि वह शुभ्रा के साथ रिलेशनशिप में हैं।

अगर मुझे सलमान सर के साथ स्टेज पर खड़े होने का मौका मिला तो मैं जरूर वापस जाऊंगी

अभिनेत्री डोनल बिष्ट अपने नए इंटरव्यू को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने बिग बॉस 15 में एक कंटेस्टेंट के तौर पर हिस्सा लिया था। वह घर में ज्यादा समय तक नहीं रह पाईं।

बातचीत के दौरान डोनल ने कहा कि वह बिग बॉस के लिए नहीं बनी थीं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह कभी शो में वापस जाने का फैसला करेंगी, तो डोनल ने कहा कि सलमान खान उन्हें ऐसा करने नहीं देंगे। बातचीत में डोनल बिष्ट ने कहा, 'उस समय, जब मैं बाहर हुई तो बहुत से लोगों ने मुझ पर प्यार बरसाया।' उन्होंने आगे कहा 'वह प्लेटफॉर्म परखता है कि आप कितने स्मार्ट और चालाक हो सकते हैं।' वह आगे कहती हैं 'अगर आप असल जिंदगी में ऐसी चीजें नहीं जानते हैं, तो आप कुछ एक्स्ट्रा क्यों करेंगे?' अभिनेत्री ने बताया 'बिग बॉस हाउस का माहौल मुझे तब सूट नहीं किया।'

डोनल बिष्ट ने यह भी बताया कि एक इंसान के तौर पर वह बिग बॉस के बाद बदल गई हैं। उन्होंने कहा, 'बिग बॉस के बाद, मैं देख पाई कि दुनिया कैसी है। मैं यह समझने लगी कि कौन दोमुंहा है और कौन मुझे नीचे खींचने की कोशिश कर रहा है। कुछ लोगों ने मुझे गुमराह किया, जिसकी वजह से मैंने कई प्रोजेक्ट्स खो दिए। मैंने हमेशा अपने आस-पास सही लोगों को रखने की कोशिश की।'

सलमान के साथ खड़ी होना चाहती हैं डोनल

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें कभी दोबारा बिग बॉस में जाने में कोई दिलचस्पी है? इस पर डोनल बिष्ट ने कहा 'सलमान सर मुझे बिग बॉस करने नहीं देंगे। उन्होंने मुझसे कहा था कि मैं बिग बॉस के लिए नहीं बनी हूं। मैं सिर्फ काम के बारे में बात करती हूं। अगर मुझे सलमान सर के साथ स्टेज पर खड़े होने का मौका मिला तो मैं जरूर वापस जाऊंगी।'

सुकृति कक्कड़ ने बताया शादी का प्लान

सिंगर सुकृति कक्कड़ ने अपने पांच साल के रिश्ते को तब तक लोगों की नजरों से दूर रखा, जब तक कि वे इसे सबके सामने लाने के लिए तैयार नहीं हो गईं। सिंगर ने इंस्टाग्राम पर मुंबई के एंटरप्रेन्योर शौमिक शेट्टी के साथ अपनी सगाई की घोषणा की। 31 जुलाई को टस्कनी में सगाई करने वाले इस कपल ने बताया कि अपने रिश्ते को प्राइवेट क्यों रखा? बातचीत में सिंगर ने कहा कि जब हम इस रिश्ते में आए, तो हमें अपने रिश्ते पर बहुत गर्व हुआ। हमने सोचा कि जब सही समय आएगा तभी इसकी घोषणा करना सही रहेगा। सुकृति कहती हैं कि जब आप रिश्ते छिपाते हैं, तो यह आपकी पर्सनैलिटी का हिस्सा बन जाता है। हमारे परिवारों और कुछ करीबी दोस्तों को हमेशा पता था। हमें इसे प्राइवेट रखना पसंद है और यह हमेशा ऐसा ही रहेगा। इसकी बहुत अहमियत है। मैं 'नजर' में बहुत विश्वास रखती हूं।

कपल ने यह भी बताया कि वे अपने रिश्ते और प्रोफेशनल जिंदगी को अलग-अलग रखना चाहते थे। कक्कड़ कहती हैं, 'हम अपने काम पर बहुत फोकस्ड हैं। इसलिए, ऐसी कोई भी चीज जो हमारे काम से ध्यान भटकाए, हम शुरुआत में नहीं चाहते थे। मगर अब हम इसे पूरी गरिमा के साथ सबके सामने लाना चाहते हैं।' इस कपल का कहना है कि उनके अलग-अलग व्यक्तित्व और प्रोफेशन उनके लिए फायदेमंद रहे हैं। शौमिक कहते हैं कि 'वह बहुत ही नारी-सुलभ और चुलबुली थीं और पार्टी की जान थीं। आप देख सकते थे कि हर कोई उनकी ओर चुंबक की तरह खिंचा चला आ रहा था। मुझे उनकी यह बात बहुत पसंद आई।'

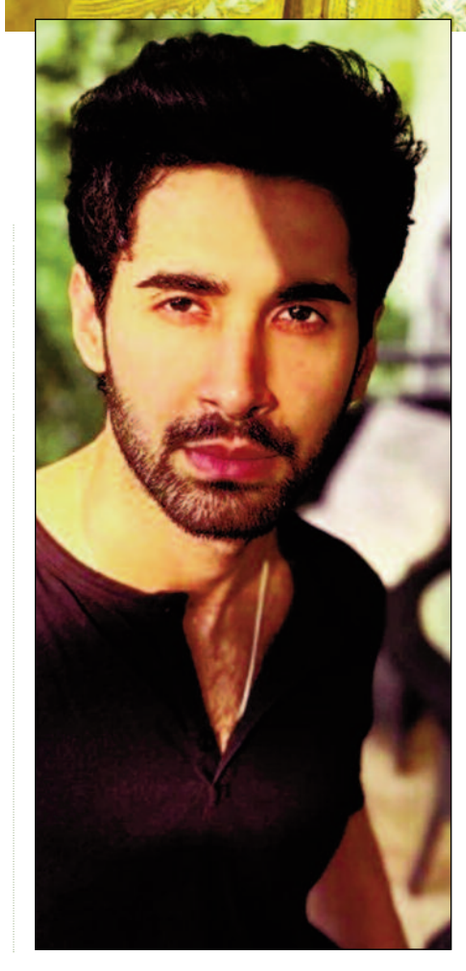

प्रोसित रॉय की साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में लक्ष्य की एंट्री? दिखेगा अलग अवतार

'किल', 'चांद मेरा दिल' और 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुके लक्ष्य इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लक्ष्य 'राख' फेम निर्देशक प्रोसित रॉय की फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनकी एंट्री हो गई है। यह रोमांटिक लव स्टोरी फिल्म बताई जा रही है, जो साइकोलॉजिकल थ्रिलर होगी।

कब से शुरू हो सकती है शूटिंग?

रिपोर्ट के मुताबिक, करण जौहर ने 'राख' के डायरेक्टर प्रोसित रॉय को एक अनोखी साइकोलॉजिकल लव स्टोरी डायरेक्ट करने के लिए साइन किया है। इस फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होने वाली है। इसी में एक नया अपडेट यह है कि फिल्म में एक्टर लक्ष्य की एंट्री हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, प्रोसित रॉय अपनी अगली फिल्म के लिए लक्ष्य के साथ काम करने जा रहे हैं। सूत्र ने बताया, 'लक्ष्य, प्रोसित रॉय के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। यह फिल्म एक लव स्टोरी है, जिसमें साइकोलॉजिकल ट्विस्ट है। ऐसी फिल्म पहले कभी नहीं बनी है। लक्ष्य और प्रोसित रॉय, दोनों ही इसके लिए उत्साहित हैं।

लक्ष्य का दिखेगा अलग अवतार

रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रोसित ने हाल ही में लक्ष्य को फिल्म की कहानी सुनाई और एक्टर को रोमांस का यह अनोखा अंदाज बहुत पसंद आया। लक्ष्य ने 'किल' में अपनी दमदार अदाकारी के लिए खूब तारीफें बटोरीं। लक्ष्य अब प्रोसित रॉय की अगली फिल्म के साथ एक और अलग तरह के जॉनर को आजमाना चाहते हैं। फिल्म 'किल' में लक्ष्य जबर्दस्त एक्शन करते हुए नजर आए थे। वहीं यह फिल्म उन्हें बिल्कुल अलग अवतार में पेश करती है।

ट्राउट पालन से बलवीर सिंह राणा ने बदली तकदीर

जयन्त प्रतितनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में जनपद रुद्रप्रयाग में मत्स्य विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं का प्रभावी ढंग से संचालन किया जा रहा है। विभाग द्वारा ग्रामीणों को मत्स्य पालन से जोड़ने के साथ ही उन्हें तकनीकी मार्गदर्शन, आवश्यक प्रशिक्षण एवं योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। इन प्रयासों से जनपद में कई ग्रामीण मत्स्य पालन को स्वरोजगार के रूप में अपनाकर अपनी आर्थिकी मजबूत कर रहे हैं। गैड़ बस्ती गांव निवासी बलवीर सिंह राणा भी इसी पहल से जुड़कर ट्राउट मछली पालन के क्षेत्र में सफलता की नई कहानी गढ़ रहे हैं।

बलवीर सिंह राणा ने अपने गांव में ट्राउट मछली पालन को व्यवसाय के रूप में अपनाया है। पहाड़ी क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों और उपलब्ध जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए उन्होंने ट्राउट पालन को अपनी आजीविका का मजबूत आधार बनाया है। मत्स्य विभाग

द्वारा उन्हें समय-समय पर तकनीकी सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जिसका लाभ उठाते हुए उन्होंने ट्राउट पालन को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाया। आज उनके द्वारा उत्पादित ट्राउट मछली की बाजार में अच्छी मांग है और उन्हें अपनी मेहनत का बेहतर आर्थिक प्रतिफल भी मिल रहा है। बलवीर सिंह राणा ने बताया कि वर्तमान सीजन में उन्होंने करीब 15 क्विंटल ट्राउट मछली का उत्पादन किया है। उत्पादित मछली की बिक्री के लिए उन्हें बाजार के साथ-साथ संस्थागत खरीदार भी उपलब्ध हुए। उनके द्वारा उत्पादित ट्राउट मछली में से 8 क्विंटल मछली भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) द्वारा खरीदी गई, जबकि शेष मछली को उन्होंने स्थानीय बाजार में अच्छे दामों पर विक्रय किया। उन्होंने बताया कि ट्राउट मछली की अच्छी मांग होने के कारण उन्हें अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त हुआ। इससे उनका मत्स्य पालन व्यवसाय लाभकारी साबित हो रहा है। बलवीर सिंह के अनुसार, इस सीजन में उन्हें करीब 6 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने से उन्हें अपने गांव में ही स्वरोजगार का अवसर मिला है और परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में भी मदद मिली है।

विभागीय सहयोग से मिला प्रोत्साहन

बलवीर सिंह राणा ने बताया कि मत्स्य पालन शुरू करने और इसे व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाने में मत्स्य विभाग का महत्वपूर्ण सहयोग मिला। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा उन्हें ट्राउट पालन की तकनीक, देखभाल, उत्पादन और विपणन से संबंधित आवश्यक जानकारी दी गई। विभाग के मार्गदर्शन से उन्हें मत्स्य पालन के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आत्मविश्वास मिला। उन्होंने कहा कि पहाड़ों में रोजगार के सीमित अवसरों को देखते हुए मत्स्य पालन ग्रामीण युवाओं और किसानों के लिए स्वरोजगार का बेहतर माध्यम बन सकता है। यदि ग्रामीण उपलब्ध संसाधनों का उचित उपयोग करते हुए वैज्ञानिक तरीके से मत्स्य पालन करें, तो इससे अच्छी आमदनी अर्जित की जा सकती है।

ग्रामीणों को मत्स्य पालन से जोड़ रहा विभाग

जनपद की मत्स्य प्रभारी मंजू भाकुनी ने बताया कि मत्स्य विभाग द्वारा ग्रामीणों को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना सहित विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। इन योजनाओं के माध्यम से मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के साथ ही ग्रामीणों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा जिला योजना के माध्यम से भी ग्रामीणों को मत्स्य व्यवसाय अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विभाग का प्रयास है कि अधिक से अधिक ग्रामीण मत्स्य पालन को अपनी आजीविका का साधन बनाएं। इसके लिए पात्र लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही तकनीकी मार्गदर्शन और आवश्यक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। ट्राउट पालन जैसे व्यवसायों को बढ़ावा देकर पहाड़ी क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रहा नया आधार

मत्स्य पालन से जुड़ रहे ग्रामीणों की सफलता की कहानियां यह दर्शाती हैं कि पहाड़ी क्षेत्रों में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग कर स्वरोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। बलवीर सिंह राणा की सफलता भी इसी दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने ट्राउट पालन के माध्यम से न केवल अपने लिए रोजगार का साधन तैयार किया, बल्कि यह भी साबित किया कि सरकारी योजनाओं, विभागीय मार्गदर्शन और मेहनत के समन्वय से ग्रामीण क्षेत्र में रहकर भी अच्छी आय अर्जित की जा सकती है।

अंकिता हत्याकांड की सीबीआई जांच की स्थिति हो सार्वजनिक

गोपेश्वर। कांग्रेस पार्टी ने अंकिता भंडारी हत्याकांड में सीबीआई जांच की अब तक की प्रगति रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जब से इसके सीबीआई जांच के आदेश हुए हैं तब से यह मामला कहां पहुंचा इसकी किसी को कोई जानकारी नहीं है।

कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार डिमरी ने जिला कार्यालय में अंकिता भंडारी हत्याकांड में चल रही सीबीआई जांच को लेकर पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने अब तक की जांच में क्या किया, जांच कहां तक पहुंची, क्या तथ्य मिले सभी बातों को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। कहा कि कांग्रेस पार्टी अंकिता भंडारी के माता–पिता के साथ पूरी निष्ठा के साथ खड़ी हैद्ध अंकिता को पूर्ण न्याय दिलाने के लिए हरसंभव कदम उठाए जाएंगे। इस मौके पर गोविंद सिंह सजवाण, आनंद सिंह पंवार और धीरेंद्र सिंह गरोड़िया आदि मौजूद रहे।

श्रमिकों को सरल और पारदर्शी सेवाएं देना प्राथमिकता : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : श्रमिक कार्ड निर्माण, पंजीकरण एवं नवीनीकरण में श्रमिकों को आ रही समस्याओं और निर्धारित शुल्क से अधिक धनराशि लिए जाने की शिकायतों को जिलाधिकारी गौरव कुमार ने गंभीरता से लिया है। शनिवार को उन्होंने गोपेश्वर स्थित पुराने पेट्रोल पंप के समीप संचालित श्रम प्रवर्तन अधिकारी कार्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने कहा कि श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है। श्रमिक कार्ड निर्माण एवं संबंधित सेवाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही, अनियमितता अथवा मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और श्रमिक हितैषी बनाया जाए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि श्रमिक कार्ड बनाए जाने को लेकर विभिन्न माध्यमों से समस्याएं एवं शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। इनमें सीमित संख्या में टोकन दिए जाने तथा निर्धारित शुल्क से अधिक धनराशि लिए जाने जैसी शिकायतें प्रमुख हैं। उन्होंने इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल व्यवस्थाओं की समीक्षा कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय श्रम प्रवर्तन अधिकारी चाइल्ड रेस्क्यू अभियान में गए हुए थे। उन्होंने कहा कि श्रमिक कार्ड निर्माण की प्रक्रिया में आ रही व्यावहारिक दिक्कतों, टोकन व्यवस्था, निर्धारित शुल्क, आवेदन प्रक्रिया तथा श्रमिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की जाएगी और जहां आवश्यकता होगी, वहां तत्काल सुधार किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि श्रमिकों की सुविधा के लिए आवश्यकता पड़ने पर कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से श्रमिक कार्ड बनाने की सुविधा उपलब्ध कराने वाले केन्द्रों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

यातायात पुलिस ने 12 टैक्सी वाहनों के किए चालान

नैनीताल। शहर में प्रतिबंध के बावजूद प्रवेश कर रहे टैक्सी वाहनों के खिलाफ यातायात पुलिस ने अभियान चलाकर कार्रवाई की। टीएसआई हरीश फर्त्याल ने बताया कि वर्ष 2017 के बाद पंजीकृत टैक्सी बाइक और कारों का नैनीताल शहर में प्रवेश प्रतिबंधित है। इसके बावजूद कुछ टैक्सी वाहन शहर में संचालित किए जा रहे हैं। इसी के चलते शुक्रवार को नियमों का उल्लंघन करने वाले 12 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

एमएसीपी में देरी पर फार्मेसी संगठन नाराज

नैनीताल। फार्मेसी जिला संगठन ने कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी से मुलाकात की। संगठन ने विशेष रूप से एमएसीपी प्रकरण में मुख्य कोषाधिकारी स्तर से हो रही देरी पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने इस मामले के शीघ्र निस्तारण की मांग की। जिलाध्यक्ष भूपेंद्र बिष्ट ने बताया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी स्तर से इस प्रकरण में कोई कमी नहीं है। इसके बावजूद मुख्य कोषाधिकारी स्तर से अनावश्यक देरी हो रही है। सीएमओ ने मुख्य कोषाधिकारी से वार्ता कर एमएसीपी का जल्द निस्तारण कराने का भरोसा दिलाया। बैठक में ओखलकांडा ब्लॉक के कर्मचारियों के राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली से सामान्य भविष्य निधि में स्थानांतरण का प्रकरण भी उठाया गया। स्थायीकरण से संबंधित प्रकरणों को भी प्रमुखता से रखा गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सभी समस्याओं को ध्यान से सुना और उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया।

जान जोखिम में डालकर लोगों को बचाने वाले जवान हुए सम्मानित

जौलीग्रांट। ऋषिकेश क्षेत्र में बीते 17 अगस्त को उफनती बीन नदी में जान जोखिम में ड़ालकर दो लोगों की जान बचाने वाले एसडीआरएफ जवानों को सेनानायक की ओर से एसडीआरएफ मुख्यालय जौलीग्रांट में सम्मानित किया गया। बीते 17 अगस्त की रात करीब साढ़े आठ बजे बीन नदी में एक वाहन फंस गया था। सूचना पाकर मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने करीब रात साढ़े नौ बजे रेस्क्यू अभियान शुरू किया। इसमें रेस्क्यू टीम लाइफ जैकेट, रस्सियों, लाइट और अन्य उपकरणों के साथ उफनती नदी में उतरी। करीब पांच बजे तक चले रेस्क्यू के बाद वाहन में फंसे हुए दोनों लोगों को सकुशल बाहर निकाल लिया। सेनानायक अर्पण यदुवंशी ने कहा कि यह रेस्क्यू काफी बड़ा और जोखिम भरा थ लेकिन जवानों ने पूरी दक्षता के साथ इस अभियान को पूरा किया जिस कारण अभियान में शामिल कमांडेंट अर्पण यदुवंशी ने निरीक्षक कविंद्र सजवाण, एपीसी महावीर सिंह, एचसी दरमान सिंह, अर्जुन सिंह, ओमप्रकाश, किशोर कुमार, विकास गुसाईं, कांस्टेबल पंकज सिंह, कांस्टेबल दीपक सिंह, कांस्टेबल मातबर सिंह, कांस्टेबल रमेश भट्ट, अमित कुमार, राहुल कुमार आदि को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान उपसेनानायक शुभांक रतूड़ी, सहायक सेनानायक संजय उप्रेती, शिविरपाल, आनन्द सिंह रावत, निरीक्षक कविन्द्र सजवाण, सूबेदार सैन्य सहायक जयपाल राणा आदि उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को डिजिटल साक्षरता सत्र में किया जागरूक

डोईवाला। यंग इंडियंस देहरादून चैप्टर ने शनिवार को पब्लिक इंटर कॉलेज में वित्तीय और डिजिटल साक्षरता पर विशेष सत्र आयोजित किया। इसमें विद्यार्थियों को बचत के महत्व, निवेश माध्यमों और डिजिटल भुगतान की सावधानियां बताई गईं। सभासद गौरव मल्होत्रा ने युवाओं को वित्तीय व डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के प्रयासों पर जोर दिया। यंग इंडियंस के सिद्धार्थ वासन और दृष्टि जैन ने डिजिटल साक्षरता पर विस्तार से बताया। उन्होंने छात्रों को फर्जी वेबसाइट की पहचान, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के तरीके सिखाए। डिजिटल निजता, साइबर सुरक्षा और सुरक्षित डिजिटल उपकरणों के उपयोग पर भी मार्गदर्शन दिया। संस्था ने विद्यार्थियों को ओटीपी की गोपनीयता बनाए रखने के प्रति विशेष रूप से जागरूक किया।

पानीवाला बैंड पर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक

देहरादून। देहरादून–मसूरी मार्ग पर स्थित पानीवाला बैंड के पास सड़क की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने भारी वाहनों की आवाजाही पर अग्रिम आदेश तक प्रतिबंध लगा दिया है। उप जिला मजिस्ट्रेट आदेश जारी किया है। अधिशासी अभियंता, प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग, द्वारा भेजी गई रिपोर्ट में बताया गया कि पानीवाला बैंड पर अत्यधिक बारिश के कारण मार्ग पर पूर्व में निर्मित सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो गई है।

दीवार क्षतिग्रस्त होने के चलते मार्ग भारी वाहनों के आवागमन के लिए असुरक्षित हो गया है। विभाग ने आशंका जताई है कि स्थिति में सुधार नहीं होने पर किसी भी समय अप्रिय घटना घट सकती है। रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए उप जिला मजिस्ट्रेट मसूरी राहुल आनंद ने आमजन की सुरक्षा के दृष्टिगत मार्ग पर भारी वाहनों के आवागमन को अग्रिम आदेश तक प्रतिबंधित कर दिया है।

24 घंटे पुलिस बल तैनात

आदेश के अनुपालन की जिम्मेदारी संबंधित विभागों और पुलिस को सौंपी गई है। लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को क्षतिग्रस्त मार्ग की तत्काल मरम्मत कराकर आमजन की आवाजाही के लिए सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, कोतवाली मसूरी और राजपुर थाना पुलिस को आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

लीज खत्म, फिर भी नजूल संपत्तियों पर कब्जा

नैनीताल। प्रशासन ने नजूल संपत्तियों के इस्तेमाल पर सख्ती शुरू कर दी है। झील के पास स्थित पांच नजूल संपत्तियों की लीज अवधि समाप्त हो चुकी है। इसके बावजूद उनका उपयोग जारी है। प्रशासन ने नगर पालिका से इन संपत्तियों का पूरा ब्योरा और स्पष्टीकरण मांगा है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।प्रशासन के अनुसार, लीज समाप्त होने के बाद संपत्ति के उपयोग के लिए नियमों का पालन जरूरी है। यह जांच की जा रही है कि इन संपत्तियों का इस्तेमाल किस आधार पर हो रहा है। इस कार्रवाई का उद्देश्य नजूल संपत्तियों का उपयोग नियमों के अनुरूप सुनिश्चित करना है। यदि अवैध कब्जा या नियम विरुद्ध गतिविधियां पाई गईं तो नियमानुसार कार्रवाई होगी।

एसडीएम नवाजिश खलिक ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पांच संपत्तियां चिह्नित की गई हैं। इनमें तल्लीताल का सेंट जोसेफ स्कूल का बोट हाउस और मल्लीताल का गोवर्धन हॉल शामिल हैं।

तेज रफ्तार कार ने दो महिलाओं को मारी टक्कर

पांच माह की गर्भवती की मौत

देहरादून, राजपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से पांच माह की गर्भवती महिला की मौत हो गई। हादसे में दूसरी महिला भी घायल हो गई। घटना कैनाल रोड पर हुई, जहां तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे जा रही दोनों महिलाओं को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों महिलाएं सड़क पर जा गिरीं। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने पांच माह की गर्भवती महिला को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरी महिला का उपचार चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही राजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कार सवार दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया है। शुरुआती जानकारी में दोनों युवकों के नशे की हालत में होने की बात सामने आई है।

हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि पुलिस की जांच और मेडिकल परीक्षण के बाद होगी।पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर हादसे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि हादसे के समय कार की रफ्तार कितनी थी और चालक नशे में था या नहीं।

कॉलेज में चुनावी बवाल, छात्रनेता को रास्ते में पीटा

हल्द्वानी ,एमबीपीजी कॉलेज में चुनावी माहौल तैयार हो चुका है। प्रचार–प्रसार के दौरान आपसी विवाद के मामले भी सामने आ रहे हैं। शनिवार को एक प्रत्याशी की समर्थक छात्रा से अभद्रता के बाद दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। कोतवाली और चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को तितर–बितर करने के लिए जमीन पर लाठियां फटकारीं। वहीं छात्रा की तरफ से हल्द्वानी कोतवाली में तहरीर दिए जाने के बावजूद कार्रवाई न होने पर रात 8 बजे छात्र धरने पर बैठ गए। देर रात तक पुलिस उन्हें समझाती रही। एक छात्र ने बताया कि वह छात्रसंघ चुनाव में संभावित प्रत्याशी है। शनिवार को उनकी हेल्पडेस्क पर कुछ समर्थक छात्राएं बैठी थीं। तभी वहां दूसरे पक्ष के कुछ युवक पहुंचे और एक छात्रा से छेड़छाड़ करने लगे। छात्रा ने कॉल करके उन्हें बुलाया और जब वह पहुंचे तब आरोपियों ने गाली–गलौज शुरू कर दी। बताया कि विवाद की स्थिति देख वह प्राचार्य को लिखित

शिकायत देने के लिए जाने लगे। तभी आरोपियों ने उन्हें रास्ते में ही रोका और एकत्र होकर पीटने लगे। किसी तरह वह जान बचाकर भागे। इसकी खबर फैलते ही उनके अन्य समर्थक भी पहुंच गए और दोनों पक्षों में जमकर हंगामा हुआ। स्कूल प्रशासन की सूचना पर पुलिस पहुंची और दोनों पक्षों को अलग कर हंगामा करने वाले कुछ लड़कों को हिरासत में ले लिया। उन्हें कॉलेज से बाहर ले जाते समय कुछ अन्य युवकों की पुलिस से खींचतान भी हुई।वहीं पीड़ित छात्रा ने पुलिस को आरोपियों के नाम लिखकर तहरीर भी दी। करीब चार घंटे तक भी जब पुलिस ने कार्रवाई नहीं की तब छात्रा के साथी समर्थक कोतवाली के अंदर ही धरने पर बैठ गए। छात्रों ने बताया आरोपी युवक लगातार धमकी दे रहे हैं। पुलिस ने गिरफ्तार करना तो दूर उन्हें पूछताछ तक के लिए नहीं बुलाया। कोतवाली के अंदर ही नारेबाजी शुरू हो गई और मौके पर फोर्स को भी तैनात किया गया। देर रात तक छात्रों का हंगामा व प्रदर्शन कोतवाली में जारी रहा।

चुनाव की तिथि तय नहीं, जुलूस से परेशान कॉलेज प्रशासन

छात्रसंघ चुनाव को लेकर माहौल गरमाता जा रहा है। फिलहाल छात्रसंघ चुनाव की तारीख तय नहीं की गई है और न ही कॉलेज प्रशासन की तरफ से विद्यालय के अंदर किसी भी तरह के जुलूस की अनुमति दी गई है। इसके बावजूद चुनाव की तैयारी कर रहे छात्र राजनैतिक दल और निर्दलीय प्रत्याशी एकत्र होकर जुलूस की शक्ल में प्रचार–प्रसार कर रहे हैं। इसकी वजह से कॉलेज प्रशासन भी परेशान है। प्राचार्य एनएस बनकोटि ने बताया कि जुलूस की वजह से बड़ी संख्या में छात्र एकत्र हो रहे हैं और कई बार आपसी विवाद के मामले सामने आ चुके हैं।

ढिकाला जोन में विकसित किए 300 ग्रासलैंड

रामनगर। नए पर्यटन सत्र में कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के ढिकाला जोन में पार्क प्रशासन ने लैंटाना को हटाकर 300 हेक्टेयर क्षेत्र में ग्रासलैंड विकसित किए हैं। ग्रासलैंड विकसित होने से जंगल का प्राकृतिक स्वरूप अधिक समृद्ध होने के साथ ही वहीं वन्यजीवों के लिए प्राकृतिक चारे की उपलब्धता भी बढ़ेगी। पार्क निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने बताया कि झाड़ियों और अनावश्यक वनस्पतियों को नियंत्रित कर घास के मैदानों को विकसित किया गया है ताकि वन्यजीवों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हो सके। विकसित किए गए नए ग्रासलैंड आने वाले पर्यटन सत्र में वन्यजीवों की गतिविधियों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। पार्क प्रशासन का उद्देश्य जंगल में वन्यजीवों के लिए प्राकृतिक संसाधनों को मजबूत करने के साथ ही पर्यटकों को बेहतर जंगल अनुभव उपलब्ध कराना है।

डकैती डालने वाले अंतरराज्यीय बदमाश समेत दो लोग गिरफ्तार

हल्द्वानी , शहर के गोरापड़ाव क्षेत्र में धावा बोलकर डकैती डालने वाले अंतरराज्यीय बदमाश समेत दो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से पिस्टल, तमंचा समेत 66 हजार की नगदी बरामद की गई है। फरार सभी बदमाशों की पहचान कर ली गई है।कोतवाली परिसर स्थित सभागार में शुक्रवार को घटना का खुलासा करते हुए एसएसपी डॉ.मंजुनाथ टीसी ने बताया कि बीती 19 अगस्त की रात गोरापड़ाव क्षेत्र में कार शोरूम के पीछे नारायण दास के ऑफिस में स्कार्पियो, वरना और क्रेटा कार सवार 12 नकाबपोश बदमाश पहुंच गए। उन्होंने खुद को पुलिस व एसओजी अफसर बताया। वहां जुआ खेल रहे 10 युवकों को बंदूकों के बल पर बंदी बनाकर लूटपाट की। उन्होंने युवकों की जेब से भी रकम निकाल ली। वे 8.20 लाख रुपये, 12 मोबाइल फोन और सोने की तीन चैन लूट ले गए। घटना का पता चलने पर पुलिस टीमें गठित कर बदमाशों की धरपकड़ में लगाई गईं।

घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए जिससे वारदात में प्रयुक्त वाहनों को चिह्नित किया जा सका। पुलिस ने सटीक सूचना पर शुक्रवार तड़के पूरनपुर जिला पीलीभीत (यूपी) में दबिश दी। मौके से डकैती में शामिल वंशप्रीत सिंह उर्फ पन्नू निवासी विथा अकबर सितारगंज और रखवीर सिंह निवासी ईश्वरपुर शीशगढ़ बरेली को गिरफ्तार कर लिया।

मॉलरोड की दरारों का टीएचडीसी की टीम करेगी निरीक्षण

नैनीताल। अपर मॉलरोड पर उभरी दरारें अब और गहरी होने से सड़क की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। पर्यटन कार्यालय के सामने दरारों का फैलाव व गहराई सामने आने के बाद लोनिवि फिलहाल इन्हें भरने का काम शुरू करने जा रही है। वहीं सड़क की स्थिति की वास्तविकता जानने के लिए अगले सप्ताह टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (टीएचडीसी) की विशेषज्ञ टीम मौके पर पहुंचकर निरीक्षण करेगी।

वर्ष 2018 में अपर मॉल रोड का करीब 25 मीटर हिस्सा टूटकर झील में समा गया था। इसके बाद से अपर मॉलरोड पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है। वहीं लोअर मॉलरोड पर मशीनों से ड्रिलिंग का कार्य भी जारी है। अब पर्यटन कार्यालय के सामने अपर मॉलरोड पर दरारें गहरी होने लगी हैं।

नैनीताल में मानव–वन्यजीव संघर्ष रोकने को 109 गांव चिह्नित

नैनीताल। जिले में मानव–वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को रोकने के लिए डीएम ललित मोहन रयाल ने सर्वाधिक प्रभावित 109 गांवों में गुणवत्तापूर्ण फेंसिंग और सोलर लाइटें लगाने के निर्देश दिए हैं।

डीएम ने बताया कि वन, कृषि और उद्यान विभाग की संयुक्त टीम ने पिछले पांच से दस वर्षों की घटनाओं का अध्ययन किया है। इस अध्ययन के आधार पर रेड जोन वाले गांवों को चिह्नित किया गया है। इस वर्ष 109 गांवों का चयन किया गया है जहां सघन खेती होती है और वन्यजीवों के लगातार हमले हुए हैं।

इन गांवों में युद्ध स्तर पर चैनलिंग फेंसिंग का कार्य कराया जा रहा है। पर्याप्त संख्या में सोलर लाइटें भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। इन कार्यों को जिला योजना के तहत विशेष प्राथमिकता दी गई है। खनन न्यास से ढाई करोड़ रुपये अतिरिक्त उपलब्ध कराए गए हैं। यह राशि चिह्नित गांवों में शत–प्रतिशत फेंसिंग और लाइट का कार्य पूरा करने के लिए है।

बता दें कि मानव–वन्यजीव संघर्ष रोकने के लिए वन विभाग, कृषि विभाग और उद्यान विभाग मिलकर काम कर रहे हैं। संयुक्त टीम ने पांच से दस वर्षों के आंकड़ों का विश्लेषण कर प्रभावित क्षेत्रों की पहचान की है।

संक्षिप्त समाचार

फीफा ने अर्जेंटीना पर लगाया करोड़ों का जुर्माना और तीन खिलाड़ियों पर बैन

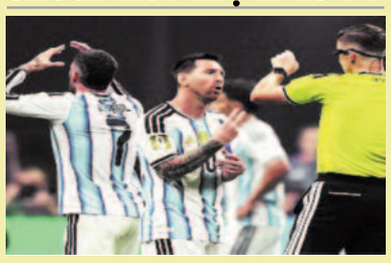

स्पेन (एजेंसी)। फुटबॉल की गवर्निंग बॉडी फीफा ने अर्जेंटीना की फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) अर्जेंटीनी खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ पर बड़ा बड़ा जुर्माना लगाया है. फीफा ने उनको ये सजा हाल ही में खत्म हुए फीफा वर्ल्ड कप में की गई गड़बड़ियों की वजह से दी है. जिसमें फाइनल में स्पेन के खिलाड़ी के साथ हुई झड़प भी शामिल है। इस झगड़े की वजह से फीफा ने अर्जेंटीना के चार और स्पेन के एक खिलाड़ी पर जुर्माना लगाया है. अर्जेंटीना के खिलाड़ियों में लिएंड्रो परेडेस को सबसे कड़ी सजा मिली है. इस मिडफील्डर को 10 मैचों के लिए सस्पेंड किया गया है और 90,000 एसडी का जुर्माना लगाया गया है. जबकि नाहुएल मोलिना को 7 मैचों का सस्पेंशन और 90,000 स्ष और थियागो अल्माडा को एक मैच का सस्पेंशन और 30,000 स्ष का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा स्पेन के असिस्टेंट कोच रॉबर्टो अयाला को तीन मैचों का सस्पेंशन और 30,000 स्ष का जुर्माना लगाया गया है. वहीं स्पेन के एक खिलाड़ पाब्लो मार्टिन पेज गाविरा पर एक मैच का सस्पेंशन और 30,000 एसडी का जुर्माना लगाया गया है। खिलाड़ियों के अलावा फीफा ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन पर भी टूर्नामेंट के दौरान हुई कई घटनाओं के लिए 3.64 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है. जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच जीतने के बाद खिलाड़ियों का फॉकलैंड आइलैंड्स से जुड़ा पॉलिटिकल बैनर ले जाना और समर्थकों द्वारा भेदभावपूर्ण नारे लगाना शामिल है।

लुसाने डायमंड लीगः नीरज चोपड़ा 9 सेंटीमीटर से चुके पहला स्थान

लुसाने (एजेंसी)। नीरज चोपड़ा ने 2026 सीजन का अपना बेस्ट थ्रो किया, लेकिन वो लुसाने डायमंड लीग में श्रीलंका के रुमेश पथिरागे से सिर्फ 9 सेंटीमीटर पीछे रह गए. जिसकी वजह से उनको दूसरे स्थान पर ही रहना पड़ा।नीरज चोपड़ा ने अपने दूसरे प्रयास में ही 88.05 मीटर का शानदार थ्रो किया, लेकिन पथिरागे ने अपने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर थ्रो करके लुसाने प्रतियोगिता अपने नाम कर ली. ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 86.69 मीटर की दूरी के साथ तीसरे स्थान पर रहे।दो ओलंपिक पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने 83.54 मीटर के थ्रो के साथ अपनी शुरुआत की. इसके बाद उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और 88.05 मीटर दूर भाला फेंककर पहले स्थान पर पहुंच गए. लेकिन श्रीलंका के उभरते हुए खिलाड़ी पथिरागे ने तुरंत अपने तीसरे प्रयास में 88.14 मीटर थ्रो करके नीरज से पहले स्थान छीन लिया। चोपड़ा अपने तीसरे थ्रो में केवल 83.72 मीटर ही दूर भाला फेंक पाए और चौथे प्रयास में फाउल कर बैठे. जबकि उन्होंने अपना पांचवां प्रयास नहीं किया. हालांकि, चोपड़ा अपने आखिरी और छठे थ्रो में जरूरी दूरी हासिल नहीं कर पाए।

बांग्लादेश की पहली पारी 64 पर ढेर

बदले की आग में मिचेल स्टार्क ने बरपाया कहर, पहले ही दिन गिरे 18 विकेट, ऑस्ट्रेलिया ने हासिल की मामूली बढ़त

मैके , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन मामूली बढ़त हासिल कर ली। दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में आठ विकेट पर 165 रन बनाए हैं और उसे अब तक 101 रनों की बढ़त मिली है। स्टंप्स के समय कैमरन ग्रीन 51 और नाथन लियोन 10 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले, दूसरे ही सत्र में बांग्लादेश की पहली पारी 64 रन पर ऑलआउट हुई। लेकिन शोरिफुल इस्लाम ने ऑस्ट्रेलिया को लगातार झटके दिए जिससे टीम वापसी करने में सफल रही।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी

बांग्लादेश को सस्ते में ऑलआउट करने के बाद उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शोरिफुल इस्लाम ने ऑस्ट्रेलिया को लगातार झटके दिए जिससे उसकी पारी लड़खड़ा गई। शुरुआती झटकों के बाद स्टीव स्मिथ और कैमरन ग्रीन ने ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभाला और टीम को बढ़त दिलाई। स्मिथ 42 रन बनाकर आउट हुए और ग्रीन के साथ उनकी साझेदारी टूट गई। इसके बाद एक छोर से विकेट गिरते रहे, लेकिन ग्रीन टिके रहे और उन्होंने अर्धशतक पूरा किया। बांग्लादेश के लिए शोरिफुल ने छह विकेट लिए, जबकि तस्कीन अहमद और मेहदी हसन मिराज को अब तक एक-एक विकेट मिले।

पहला सत्र पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के नाम

स्टार्क ने बांग्लादेश की पारी लड़खड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। स्टार्क के आगे बांग्लादेश का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखरता चला गया। इसके बाद पैट कमिंस ने मुशफिकुर रहीम को आउट कर बांग्लादेश को पहले ही सत्र में छठा झटका दिया। बांग्लादेश ने इस तरह 21 रन के स्कोर पर छह विकेट गंवा दिए। लंच तक बांग्लादेश का स्कोर छह विकेट पर 35 रन था।

चार बल्लेबाज खाता खोले बिना आउट

इससे पहले, मैके में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने इसे सही साबित करने में ज्यादा देर नहीं लगाई और बांग्लादेश को झटके पर झटके दिए। स्थिति यह रही कि पहले ही सत्र में बांग्लादेश ने छह विकेट गंवा दिए। मिचेल स्टार्क ने पहली पारी में शानदार गेंदबाजी की और शुरुआत से ही बांग्लादेश पर दबाव बनाया। स्टार्क पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को पवेलियन भेजा और फिर अपने अगले ओवर की पहली गेंद पर तंजिद हसन तमीम को खाता खोले बिना आउट किया। अगली ही गेंद पर नजमुल हुसैन शांतो स्टार्क का तीसरा शिकार बने। स्टार्क हालांकि, हैट्रिक पूरी नहीं कर सके। स्टार्क ने फिर कैमरन ग्रीन के हाथों मोमिनुल हक को कैच कराया जो नौ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद स्टार्क का पांचवां शिकार लिटन दास बने जो खाता खोले बिना आउट हुए। बांग्लादेश की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि चार बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल सके।

आग उगलती गेंदबाजी से बांग्लादेश के शीर्ष क्रम बल्लेबाजी को तहस नहस कर दिया। स्टार्क ने अपनी शुरुआती 22 गेंदों पर ही पांच विकेट ले डाले। स्टार्क ने 10 ओवर की गेंदबाजी में छह मेडन फेंकते हुए मात्र 12 रन देकर छह विकेट लिए। इस दौरान पांचवां विकेट लेते ही उन्होंने डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया।

दूसरे सत्र में हेजलवुड-कमिंस ने दिखाया दम

लंच ब्रेक के बाद जोश हेजलवुड और कमिंस ने दम दिखाया और दो विकेट झटकर बांग्लादेश को और मुश्किल में डाल दिया। कमिंस ने पहले मेहदी हसन मिराज को आउट किया जो 11 रन बनाकर आउट हुए और फिर हेजलवुड ने हसन महमूद को पवेलियन की राह दिखाई जो 10 रन बनाकर आउट हुए। कमिंस ने इसके बाद तस्कीन अहमद को आउट करने में ज्यादा देर नहीं लगाई और मैट रेनशॉ के हाथों कैच कराकर उनकी पारी का अंत किया। तस्कीन एक रन बनाकर आउट हुए। आखिरी विकेट गिराने के लिए हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को थोड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि तैजुल इस्लाम और शोरिफुल इस्लाम के बीच 10वें विकेट के लिए 25 रनों की साझेदारी हुई। यह बांग्लादेश की पारी की सबसे बड़ी साझेदारी रही। इसे स्टार्क ने शोरिफुल को आउट कर तोड़ा। 11वें नंबर पर उतरे शोरिफुल ने बांग्लादेश के लिए पहली पारी में सबसे ज्यादा 14 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टार्क ने छह, कमिंस ने तीन और हेजलवुड ने एक विकेट लिया।

मिचेल स्टार्क ने स्टेन को पीछे छोड़ा ! 19वीं बार टेस्ट में लिए पांच से अधिक विकेट

ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेटों के मामले में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन को पीछे दिया है। स्टार्क अब स्टेन को पीछे छोड़ते हुए टेस्ट क्रिकेट इतिहास के 10वें सफलतम गेंदबाज बन गए हैं। स्टार्क ने शनिवार से साउथ मैके में ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच शुरू हुए टेस्ट मैच के पहले दिन यह उपलब्धि हासिल की।

शुरुआती 22 गेंदों पर झटके पांच विकेट

साउथ मैके में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। स्टार्क ने अपनी

205 पारियों में 441 विकेट

36 साल के स्टार्क के अब 107 टेस्ट मैचों की 205 पारियों में 441 विकेट हो चुके हैं। स्टार्क टेस्ट मैच की एक पारी में 19 बार पांच या उससे अधिक विकेट ले चुके हैं, जबकि एक मैच में 10 या उससे अधिक विकेट तीन बार ले चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 58 रन देकर सात विकेट है। स्टार्क से आगे अब वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज कॉर्टनी वॉल्श हैं। वॉल्श के नाम 132 टेस्ट में 519 विकेट हैं। देखना होगा कि स्टार्क इस रिकॉर्ड को तोड़ पाते हैं, या नहीं। डेल स्टेन ने 2004 से 2019 के बीच 93 टेस्ट मैचों में 439 विकेट लिए थे। स्टेन अब टेस्ट के सफलतम गेंदबाजों की सूची में 11वें नंबर पर चले गए हैं। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट श्रीलंका के ऑफ स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम है। मुरलीधरन ने 1992 से 2010 के बीच 133 टेस्ट में 800 विकेट लिए हैं। दूसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न हैं। वॉर्न ने 1992 से 2007 के बीच 145 टेस्ट में 708 विकेट लिए थे।

इंग्लैंड के खिलाफ पारी से हारने पर पाकिस्तान टेबल में सबसे नीचे खिसका

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में पाकिस्तान की दूसरी पारी में सिर्फ 135 रनों पर ही सिमट गई. जिससे उनको पारी और 103 रनों से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ ही मेजबान टीम ने तीन दिन के अंदर ही शानदार जीत हासिल कर ली. पाकिस्तान की हार के लिए मुख्य रूप से रॉबिन्सन जिम्मेदार थे. उन्होंने मैच में 80 रन देकर 8 विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीता।

पाकिस्तान टेबल में सबसे नीचे

पाकिस्तान ने पहली पारी में सिर्फ 171 रन बनाए थे. जबकि इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 409 रन बनाए. जिससे उनको 238 रनों की बढ़त मिल गई. इसके बाद पाकिस्तानी बल्लेबाज दूसरी पारी में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के जबरदस्त हमले का सामना नहीं कर सका. जोफ्रा आर्चर, जोश टोंग और ओली रॉबिन्सन ने मिलकर 9 विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड ने एकतरफा जीत हासिल की और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 साइकल में महत्वपूर्ण अंक प्राप्त किए।

इंग्लैंड की यह शानदार जीत जो रूट के फुल-टाइम टेस्ट कप्तान के तौर पर दूसरे कार्यकाल की मजबूत शुरुआत है. इससे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप टेबल में इंग्लैंड की स्थिति भी बेहतर हुई है. इंग्लैंड की रैंकिंग ऊपर चला गया है, जबकि पाकिस्तान वेस्टइंडीज से नीचे खिसककर 16 पॉइंट्स और 19.05 के पॉइंट्स प्रतिशत (पीसीटी%) के साथ टेबल में सबसे नीचे आ गया है। हालांकि इंग्लैंड स्टैंडिंग में सातवें स्थान पर बना हुआ है. ऑस्ट्रेलिया 77.78 पीसीटी के साथ स्टैंडिंग में टॉप पर बना हुआ है. दक्षिण अफ्रीका भी 75 पीसीटी के साथ स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर है।

पाकिस्तान की करारी हार

मैच की बात करें तो जब पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की, तो उन पर भारी दबाव था क्योंकि इंग्लैंड ने पहली पारी में 238 रनों की बढ़त बना ली थी. मेहमान टीम की मुश्किलें लगभग तुरंत ही शुरू हो गईं जब आर्चर ने अपने पहले ही ओवर में इमाम-उल-हक (0) का विकेट ले लिया।

शान मसूद ने कई बाउंड्री लगाकर पलटवार करने की कोशिश की, लेकिन इंग्लैंड ने दबाव बनाए रखा. इसके बाद अब्दुल्ला शफीक (15) डिफेंस करते हुए एज लगने से आउट हो गए, और लंच से पहले ही पाकिस्तान और भी

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में बड़ा बदलाव

मुश्किल स्थिति में आ गया।

इसके बाद स्थिति और खराब हो गई जब टंग ने पाकिस्तान के मिडिल ऑर्डर को तहस-नहस कर दिया. सबसे पहले सऊद शकील (14) आउट हुए, और फिर इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज ने एक ही ओवर में मसूद (29) और सलमान आगा दोनों को आउट करके पाकिस्तान को हार की कगार पर धकेल दिया।

हालांकि मोहम्मद रिजवान ने 41 रन बनाकर कुछ हद तक संघर्ष किया, लेकिन रॉबिन्सन ने दूसरे छोर से कई सफलताएं हासिल कीं. आखिरकार गस एटकिंसन ने रिजवान की पारी का अंत किया और फिर आर्चर ने 38वें ओवर में आखिरी बल्लेबाज को आउट करके मैच खत्म कर दिया।

इससे पहले, पहले बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की टीम 171 रनों पर ऑल आउट हो गई थी, जिसमें रॉबिन्सन ने 51 रन देकर 5 और टंग ने 46 रन देकर 5 विकेट लिए थे. जवाब में इंग्लैंड के मिडिल ऑर्डर के चार बल्लेबाजों ने हाफ-सेंचुरी लगाई. जॉर्डन कॉक्स ने 73, जो रूट ने 66, हैरी ब्रूक ने 91 और डैन लॉरेंस ने 51 रन बनाए. इस मिली-जुली कोशिश से इंग्लैंड ने पहली पारी में 409 रन बनाए, जिससे उनको 238 रनों की बढ़त मिल गई. पाकिस्तान की तरफ से अली उस्मान ने 95 रन देकर 5 विकेट लिए।इस जीत के साथ इंग्लैंड तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे निकल गया है. सीरीज के दूसरा मैच लॉर्ड्स में 27 अगस्त से शुरू होगा।

दो टूक आलोचनाओं पर गौतम गंभीर का जवाब

मेरा काम ट्रॉफियां जीतना है

कोलंबो एजेंसी। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने आलोचनाओं और बाहरी शोर को दरकिनार करते हुए साफ कहा है कि उनका एकमात्र लक्ष्य भारत के लिए ट्रॉफियां जीतना है। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले गंभीर ने कहा कि उन्हें आलोचना, विचारों या लाइक्स की चिंता नहीं है और उनका पूरा ध्यान भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने पर है।

आलोचनाओं पर गंभीर का दो टूक जवाब

न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में हार तथा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मिली शिकस्त के बाद गंभीर की कोचिंग पर सवाल उठे हैं। हालांकि, इंग्लैंड दौरे पर भारत ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई थी। आलोचनाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर गंभीर ने कहा, 'मेरा काम ट्रॉफियां जीतना है। मैं सिर्फ इसी में विश्वास करता हूं और इसी की परवाह करता हूं। यही मेरे और बाकी लोगों के बीच अंतर है। मुझे विचारों या लाइक्स की चिंता नहीं है।'

अगरकर से सिर्फ क्रिकेट पर फोकस

चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर के साथ अपनी बातचीत के बारे में गंभीर ने कहा कि दोनों के बीच चर्चा का मुख्य विषय भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाना और सही फैसले करना होता है। उन्होंने कहा कि बातचीत इस बात पर केंद्रित रहती है कि भारतीय क्रिकेट को किस दिशा में आगे बढ़ाया जाए, क्या महत्वपूर्ण है और खेल की बेहतरी के लिए कौन से फैसले लेने चाहिए।भारत फिलहाल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की तालिका में पांचवें स्थान पर है। उससे ऊपर ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश हैं। हालांकि, गंभीर ने रैंकिंग को लेकर ज्यादा चिंता नहीं जताई। उन्होंने कहा, 'रैंकिंग मायने नहीं रखती। हम संघर्ष नहीं कर रहे हैं। इंग्लैंड दौरे के बाद से हमने संतोषजनक टेस्ट क्रिकेट खेला है।'

कुलदीप यादव का गंभीर ने किया बचाव

दूसरे टेस्ट में टीम संयोजन में बदलाव को लेकर गंभीर ने कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया। हालांकि, उन्होंने बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव का समर्थन किया। गंभीर ने कहा कि टीम ऐसी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी इकाई उतारने की कोशिश करेगी, जो 20 विकेट हासिल कर सके। गॉल टेस्ट में कुलदीप ने दोनों पारियों में कुल 25 ओवर गेंदबाजी की थी। उन्हें कम ओवर दिए जाने के सवाल पर गंभीर ने कहा, 'कुलदीप एक अच्छे गेंदबाज हैं और कभी-कभी यह कप्तान पर भी निर्भर करता है।'

सुथार और पडिक्कल के प्रदर्शन को सराहा

पहले टेस्ट में भारत की 165 रन की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले मानव सुथार और देवदत्त पडिक्कल की भी गंभीर ने जमकर सराहना की। पडिक्कल ने मैच में कुल 211 रन बनाए, जबकि सुथार ने गेंद से शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 विकेट हासिल किए। गंभीर ने कहा कि क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं और खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके देकर उनका समर्थन करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसी खिलाड़ी के बारे में फैसला सिर्फ एक-दो मैचों के प्रदर्शन के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए।

सलाह दी द्रविड़ ने तीनों प्रारूप में खेलने का किया समर्थन

टेस्ट क्रिकेट को वैभव की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट को वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी की जरूरत है। द्रविड़ ने कहा कि सूर्यवंशी को लाल गेंद क्रिकेट के लिए काफी समय और एक्सपोजर की जरूरत है। वैभव सूर्यवंशी इस बार दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन की तरफ से खेल रहे हैं। दलीप ट्रॉफी की शुरुआत रविवार से हो रही है। वैभव इस दौरान टीम के उपकप्तान की भूमिका में भी नजर आने वाले हैं।

नई सनसनी बनकर उभरे हैं वैभव

वैभव सूर्यवंशी क्रिकेट की नई सनसनी बनकर उभरे हैं और उन्होंने आईपीएल 2026 में दमदार प्रदर्शन किया था। वैभव ने इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय में डेब्यू किया था। वैभव अगले महीने होने वाले एशियाई खेलों के लिए भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। राहुल द्रविड़ जब राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच थे तो राजस्थान फ्रेंचाइजी ने वैभव को आईपीएल नीलामी में खरीदा था। अब द्रविड़ ने वैभव को टेस्ट क्रिकेट के लिए तैयार बता दिया है।

द्रविड़ ने यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के अनावरण के लिए डबलिन में एक इवेंट में कहा, यह बहुत अच्छी बात है कि वैभव को भारत में आईपीएल के जरिए कुछ सीमित ओवर प्रारूप में क्रिकेट खेलने का अनुभव मिल रहा है, लेकिन उन्हें भारतीय घरेलू सिस्टम में वापस जाकर लाल गेंद क्रिकेट खेलने और अपने टेस्ट करियर को आगे बढ़ाने का भी समय मिल रहा है। इस युवा बल्लेबाज को सीमित ओवर और टेस्ट क्रिकेट के बीच संतुलन बनाने की जरूरत है। हम सभी टेस्ट क्रिकेट को जिंदा देखना चाहते हैं और आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। हमें वैभव जैसे खिलाड़ियों की जरूरत है ताकि वे सभी प्रारूप में खेल सकें।

द्रविड़ ने संयम रखने कहा

द्रविड़ ने कहा, अच्छी बात यह है कि उसे कुछ समय लगेगा, उसे कुछ अनुभव की जरूरत होगी। उसे बहुत सारा टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा। उसने शायद उतना टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है जितना सीमित ओवर प्रारूप में क्रिकेट खेला है। वह सिर्फ 15 साल का है। मुझे लगता है कि आपको उसे कुछ समय देना होगा और उसके साथ सब्र रखना होगा। जाहिर है वह शुरू से ही बहुत सफल रहा है, लेकिन वह अपने उतार-चढ़ाव से गुजरेगा और मुझे लगता है कि लोगों को उसके साथ सब्र रखना होगा।

वैभव के तीनों प्रारूप में खेलने का भरोसा

द्रविड़ का मानना है कि टी20 मौकों का पीछा करने के बजाय घरेलू टेस्ट क्रिकेट खेलने से बतौर बल्लेबाज वैभव का विकास होगा। उन्होंने कहा, हम सब याद रखें कि वैभव सिर्फ 15 साल के हैं और उन्हें अभी लंबा रास्ता तय करना है। मुझे उम्मीद है कि सूर्यवंशी आखिरकार उच्च स्तर पर लाल गेंद क्रिकेट में कदम रख पाएंगे और इंडिया के लिए सभी प्रारूप के खिलाड़ी बन पाएंगे। यह वैश्विक क्रिकेट के लिए उत्साहजनक होगा।मालूम हो कि सूर्यवंशी ने अब तक सिर्फ आठ प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं।